शिवाजी कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

NAAC Accredited “A” Grade

विवरण पुस्तिका - 2023

छत्रपति शिवाजी
(1627 - 1680)
श्री केदारनाथ साहनी

प्राचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

मैं आपको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और हमारी प्रतिष्ठित संस्था में आपका स्वागत करता हूं। शिवाजी कॉलेज के प्रिंसिपल के रुप में, मैं आपको उस जीवंत शिक्षण समुदाय से परिचित कराते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं जो आपका इंतजार कर रहा है। शिवाजी में, हम मानते हैं कि शिक्षा व्यक्तिगत विकास, व्यवसायिक सफलता और सामाजिक उन्नति की नींव है। हमारी संस्था के पास अकादमिक उत्कृष्टता का एक समृद्ध इतिहास है, जिसने अनगिनत व्यक्तियों के जीवन को आकार दिया है और जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है। हम एक असाधारण शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और सीखने के लिए आजीवन प्रेम को बढ़ावा देता है। इस प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से मैं आपको हमारे कॉलेज में मौजूद असंख्य अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। हमारी प्रतिष्ठित फैकल्टी, जो अपनी विशेषज्ञता और उत्साह के लिए प्रसिद्ध है, आपको एक शैक्षिक यात्रा पर मार्गदर्शन करेगी जो सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुप्रयोग के साथ जोड़ती है। विभिन्न विषयों में हमारे पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला यह सुनिश्चित करती है कि आप अपनी आकांक्षाओं और रुचियों के लिए बिल्कुल उपयुक्त विकल्प प्राप्त करें। शिक्षाविदों से परे, हमारा कॉलेज एक जीवंत और समावेशी परिसर जीवन प्रदान करता है। हमारा छात्र समूह, विभिन्न पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों से आता है और अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देता है। हमारी पाठ्येतर गतिविधियाँ, क्लब और संगठन आपको अपने जुनून का पता लगाने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और आजीवन दोस्ती बनाने के पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

क्मा समग्र विकास के महत्व को पहचानते हैं और आपके व्यक्तिगत विकास और कल्याण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आधुनिक पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, खेल परिसरों और छात्र सहायता सेवाओं सहित हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं आपके सीखने के अनुभव को बढ़ाने और आपके समग्र कल्याण को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

शिवाजी कॉलेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मुख्य विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करेगा जो भारतीय ज्ञान प्रणालियों और मानवीय मुल्यों पर जोर देती है व छात्रों के बीच पारस्परिक एकता और राष्ट्रीय एकता की भावना पैदा करती है। छात्रों के कौशल और ज्ञान को समग्र दृष्टिकोण से निखारने के लिए वीएसी, एसईसी, जीई और डीएससी से लेकर पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार की गई है ताकि वे राष्ट्रवादी, संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों को अपनाकर बेहतर नागरिक बन सकें। मुझे विश्वास है कि शिवाजी समुदाय राष्ट्रीय एकता, सामाजिक और सांप्रदायिक समानता के पथप्रर्दशक बनेंगे।

शिवाजी कॉलेज केवल ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं है अपितु यह एक ऐसा समुदाय हे जो आपकी आकांक्षाओं का पोषण करता है और आपको तेजी से बदलती दुनिया में आगे बढ़ाने के कौशल से युक्त करता है। नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि आप एक पूर्ण व्यक्ति के रुप में स्नातक हों। मैं हमारे प्रतिष्ठित संस्थान में आपका स्वागत करने और आगामी शैक्षिक सत्रों में उपलब्धियों और विकास की अविश्वसनीय यात्रा का गवाह बनने के लिए उत्सुक हूं।

शुभकामना सहित,

प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज
प्राचार्य

शैक्षणिक कैलेंडर 2023-2024

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों के पहले वर्ष के लिए पालन किए जाने वाले शैक्षणिक कैलेंडर को सभी संबंधितों द्वारा आवश्यक अनुपालन के लिए अधिसूचित किया जाता है :

सेमेस्टर I	
कक्षा आरंभ	16 अगस्त, 2023 (बुधवार)
कक्षा का विस्तार, तैयारी की छुट्टियाँ और प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू	6 दिसंबर, 2023 (बुधवार) से 12 दिसंबर, 2023 (मंगलवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाएँ शुरू	13 दिसंबर, 2023 (बुधवार)
छमाही अंतराल	1 जनवरी, 2024 (सोमवार)
सेमेस्टर II/IV/VI/VIII	
कक्षा आरंभ	2 जनवरी, 2024 (मंगलवार)
मध्य सेमेस्टर ब्रेक	24 मार्च, 2024 (रविवार) से 31 मार्च, 2024 (रविवार) नोट : हॉली 25-03-2024 (सोमवार) को
मध्य सेमेस्टर ब्रेक के बाद कक्षाओं शुरू	1 अप्रैल, 2024 (सोमवार)
कक्षा का विस्तार, तैयारी की छुट्टियाँ और प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू	29 अप्रैल, 2024 (सोमवार) से 8 मई, 2024 (बुधवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाएँ शुरू	9 मई, 2024 (गुरुवार)
गर्मी की छुट्टियाँ	26 मई, 2024 (रविवार) से 21 जुलाई, 2024 (रविवार)

सीएसएएस आवंटन-सह-प्रवेश अनुसूची

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) 2023 के माध्यम से स्नातक कार्यक्रमों के लिए आवंटन–सह–प्रवेश के लिए अनुसूची

	कार्य	समय और दिनांक
सीएसएएस का चरण I और चरण II	सीएसएएस के चरण ख में पहले से पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए सुधार विंडो।	सोमवार, 17 जुलाई 2023 से गुरुवार, 20 जुलाई 2023 शाम 4:59 बजे तक
	वरीयता–सीएसएएस में कार्यक्रम और कॉलेजों के लिए आवेदन।	सोमवार, 17 जुलाई 2023 से सोमवार, 24 जुलाई 2023 शाम 4:59 बजे तक
	सीएसएएस प्राथमिकताओं को स्वत: लॉक करता है।	गुरुवार, 27 जुलाई, 2023, शाम 05:00 बजे तक
	सिम्युलेटेड सूची की घोषणा	शनिवार, 29 जुलाई, 2023, शाम 05:00 बजे तक
सिम्युलेटेड सूची	प्राथमिकता परिवर्तन विंडो	शनिवार, जुलाई 29, 2023, शाम 05:00 बजे से रविवार, जुलाई 30, 2023, रात 11:59 बजे तक
	प्रथम सीएसएएस आवंटन सीट की घोषणा	मंगलवार, 1 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे
सीएसएए आवंटन और प्रवेश का पहला दौर	उम्मीदवारों को आवंटित सीट स्वीकार करनी होगी	मंगलवार, 1 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	कॉलेजों को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और अनुमोदित करना होगा	मंगलवार, 1 अगस्त 2023, शाम 05:00 बजे से शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	अभ्यर्थियों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	रविवार, 6 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का दूसरा दौर	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	सोमवार, 7 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे तक
	उच्च प्राथमिकताओं को पुन: क्रमित करने के लिए विंडो	सोमवार, 7 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से मंगलवार, 8 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक,
	दूसरी सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	गुरुवार, 10 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे तक
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट स्वीकार करनी होगी	गुरुवार 10 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से रविवार 13 अगस्त, 2023, शाम 05:59 बजे तक
	कॉलेजों को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करना होगा	गुरुवार 10 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से सोमवार 14 अगस्त, 2023, शाम 05:59 बजे तक
	अभ्यर्थियों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	मंगलवार, 15 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक

कक्षाओं का प्रारंभ: बुधवार, 16 अगस्त, 2023		
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का तीसरा दौर (ईसीए, खेल, सीडब्ल्यू और अतिरिक्त कोटा के साथ)	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	गुरुवार, 17 अगस्त, 2023 शाम 05:00 बजे तक
	मध्य-प्रवेश, अच्च प्राथमिकताओं को पुन: क्रमित करने के लिए विंडो	गुरुवार, 17 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से शनिवार, अगस्त 19, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	तीसरी सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	मंगलवार, 22 अगस्त 2023, शाम 05:00 बजे तक
	उम्मीदवारों को आवंटित सी स्वीकार करनी होगी	मंगलवार, 22 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से गुरुवार, 24 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	कॉलेजों को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और अनुमोदित करना होगा	मंगलवार, 22 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से शुक्रवार, 25 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	शनिवार, 26 अगस्त 2023, शाम 04:59 बजे तक

विश्वविद्यालय रिक्त सीटों की उपलब्धता, यदि कोई हो, के आधार पर अधिक स्पॉट की घोषणा कर सकता है।

*ईसीए, खेल और अन्य अतिरिक्त आवंटन और प्रवेश से संबंधित दिशानिर्देशों के लिए वेबसाइट (admission.uod.ac.in) देखें।

प्रतीक

शिवाजी कॉलेज का प्रतीक चिह्न ज्ञान और प्रकाश के उगते सूरज का प्रतीक है जो मानव विवेक को जागृत करने के लिए अज्ञानता के अंधेरे को दूर करता है।

कमल कला, संस्कृति सौंदर्य का प्रतीक है जो बुराई के खिलाफ के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। गेहूँ के दो डंठल समृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिवाजी कॉलेज की स्थापना विश्व कृषि मेला की आयोजन समिति द्वारा की गई थी। यह प्रतीक चिह्नि प्रकृति के साथ मुनष्य के मिलन को दर्शाता है और संपूर्ण मानव जाति के लिए समृद्ध जीवन की दृष्टि का प्रतीक है।

शिवाजी कॉलेज के प्रतीक में उगता सूर्य, कमल का फूल और गेहूँ की बालियाँ सम्मिलित हैं और 'अमृतं तु विद्या' इसका ध्येय वाक्य है। इससे भी प्रतीक अपने भावों को समेटे हुए है।

विद्या नैतिकता प्रदान करती है और नैतिकता सूर्य के समान ऊर्जावान होती है। उगता सूरज ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर भगाता है और विवेक की ज्योति को जगाता है। कमल कला, संस्कृति और सौंदर्य का परिचायक है जो बुराइयों, प्रतिघातों संघर्षों के बीच अच्छाइयों के खिलखिलाने के प्रतीक है साथ ही निष्काम भाव से काम करने की प्रेरणा भी देता है। गेहूँ की बालियाँ हरियाली और समृद्धि का द्योतक है। शिवाजी कॉलेज विश्व कृषि मेला आयोजन समिति के द्वारा प्रारम्भ हुआ था। ''अमृतं तु विद्या'' विद्या अमृत के समान है जो सदा जीवित रहती है और मनुष्य को सजग रखती है।

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1	शिवाजी कॉलेज : शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र	8
2	शिक्षाविदों से परे जीवन	11
3	उपलब्ध पाठ्यक्रम और प्रवेश के लिए स्वीकृत संख्या	16
4	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची	16
5	स्नातक योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया	17
6	प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड	18
7	''सर्वश्रेष्ठ चार'' संयोजन : मानविकी	20
8	''सर्वश्रेष्ठ चार'' संयोजन : विज्ञान	21
9	''सर्वश्रेष्ठ चार'' संयोजन : वाणिज्य	22
10	यूजीसीएफ 2023-24 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशानिर्देश	23
11	सीटों का आरक्षण	23
12	खेल प्रवेश	26
13	शुल्क संरचना (2023-24)	27
14	यूजीसीएफ 2023-24 के तहत पेश किए गए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	28
15	प्रवेश समितियाँ	30
16	यूजीसीएफ संरचना 2023-24	31
17	व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग	32
18	अर्थशास्त्र विभाग	32
19	अंग्रेजी विभाग	33
20	भूगोल विभाग	33
21	हिन्दी विभाग	34
22	इतिहास विभाग	34
23	राजनीति विज्ञान विभाग	35
24	शारीरिक शिक्षा विभाग	35
25	समाजशास्त्र विभाग	35
26	संस्कृत विभाग	36
27	वाणिज्य विभाग	36
28	जैव रसायन विभाग	37
29	वनस्पति विज्ञान विभाग	37

30	रसायनिकी विभाग	38
31	भौतिकी विभाग	39
32	प्राणीशास्त्र विभाग	40
33	पर्यावरण अध्ययन विभाग	42
34	कंप्यूटर विज्ञान विभाग	42
35	गणित विभाग	43
36	छात्र केंद्रित समितियाँ	44
37	छात्रवृत्ति और छात्र सहायता	46
38	अध्यादेश	47
39	शिक्षक प्रभारी (2023-24)	52
40	पत्रिका समिति	52

शिवाजी कॉलेज (नैक द्वारा "ए" ग्रेड मान्यता प्राप्त) शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक कॉलेज है, जो दिल्ली प्रशासन द्वारा शासित है। यह एक सह-शैक्षिक संस्थान है जो स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कॉलेज ने शिक्षा के क्षेत्र में 58 वर्ष पूरे कर लिये हैं।

शिवाजी कॉलेज की स्थापना 1961 में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और किसान-नेता, माननीय डॉ. पंजाब राव देशमुख, तत्कालीन केंद्रीय मंत्री द्वारा की गई थी।

इसकी स्थापना मुख्य रुप से कृषि प्रधान क्षेत्र में उच्च शिक्षा की जरुरतों और आदर्शों को पूरा करने के लिए की गई थी। अपनी स्थापना के कुछ वर्षों तक, कॉलेज मटियाला गाँव में एक अस्थायी भवन में संचालित होता था। 1967 में इसे दिल्ली सरकार ने अपने संरक्षण ले लिया और करमपुरा में स्थानांतरित कर दिया। अंतत: 1976 में कॉलेज अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित हो गया।

अपनी स्थापना के बाद से, कॉलेज 2023 में 10 एकड़ क्षेत्र में फैले परिसर के साथ जिसका उपयोग शैक्षणिक उद्देश्यों, आवासीय परिसर और खेल मैदान के साथ विद्यमान है और प्रशासनिक ब्लॉकों का कुल निर्मित क्षेत्र 10,002 वर्ग मीटर है। यहा 46 व्याख्यान कक्ष हैं जिनमें से अधिकांश में मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन सुविधाए हैं। इसके अलावा 6 ट्यूटोरियल कक्ष और 14 विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं। सभी आवश्यक सॉफ़्टवेयर के साथ 4 कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं। इसके अलावा, नए जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन फरवरी 2020 में किया गया था। इसमें छह अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, एक बहुउद्देशीय हॉल, मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ तीन सभागार, 12 स्मार्ट व्याख्यान कक्ष, आठ अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, चार स्टाफ कक्ष और लिफ्ट हैं।

प्रतिष्ठित संकाय

कॉलेज में एक ऊर्जावान और जीवंत संकाय है जो छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से परे जाने और अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता और उन्हें सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनने में सक्षम बनाएगा। हमारा लक्ष्य छात्रों का समग्र विकास करना है, जिससे उनका इस तरह से पोषण किया जा सके कि वे समाज और राष्ट्र में योगदान दें।

कॉलेज का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन गुणवत्तापूर्ण शिक्षण

सुनिश्चित करता है और छात्रों की प्रगति की निगरानी करता है। कई वरिष्ठ संकाय सदस्य पीएचडी शोध छात्रों के गाइड हैं। उनमें कई यूजीसी/प्रायोजित प्रमुख और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं और विश्वविद्यालय/प्रायोजित नवाचार परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में 80,533 पुस्तकें हैं और 07 मुद्रित पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी में 2019 से KOHA लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर है। इसमें छात्रों के लिए एक रीडिंग हॉल (75 बैठने की क्षमता), और कंप्यूटर सुविधाओं के साथ दो हॉल है एक छात्रों के लिए (60 बैठने की क्षमता) और दूसरा संकाय के लिए (15 बैठने की क्षमता)। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए 33 एंजल्स (टॉकिंग डिजिटल पोर्टेबल डेज़ी प्लेयर्स), 29 टेप रिकॉर्डर, 10 आई–पीओडी, 02 ब्रेल किट, एक लेक्स एयर (पोर्टेबल कैमरा रीडिंग सिस्टम) और नोटबुक कंप्यूटर हैं। लाइब्रेरी https://nlist.inflibnet.ac.in/ पर 6000 से अधिक जर्नल और 1,64,300 से अधिक ई–बुक्स, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी पर 6,00,000 ई–बुक्स और www.du.ac पर कई अन्य ई–बुक्स तक पहुंच प्रदान करती है।

खेल और क्रीड़ा

शिवाजी कॉलेज, पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे बड़े खेल के मैदानों में से एक है। 60 मीटर त्रिज्या का एक क्रिकेट मैदान और चार क्रिकेट नेट (टर्फ और सीमेंटेड), एक फुटबॉल मैदान (100x50 मीटर), एक बास्केटबॉल कोर्ट (28x18 मीटर), एक वॉलीबॉल कोर्ट (18x9 मीटर), और टैनिस कोर्ट (23.8x11 मीटर), टेबल टैनिस और शतरंज: 400 मीटर घास एथलेटिक ट्रैक। खेल मैदान की कुल माप 8.5 एकड़ है। छात्रों के लिए चेंजिंग रूम और स्टोर रूम जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। फुटबॉल मैदान लाइट से सुसज्जित है। खेल परिसर में एक जिम भी है और यह सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से युक्त है। कॉलेज अंतर–कॉलेज और अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लेती हैं।

कॉलेज कैफेटेरिया

कैफेटेरिया छात्रों के बीच घूमने और कक्षाओं और संगीत से लेकर फिल्मों तक हर चीज पर चर्चा करने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थान है। स्वादिष्ट और स्वच्छ भोजन, किफायती मूल्य और अच्छा माहौल कॉलेज कैंटीन को सबसे अधिक व्यस्त स्थान बनाता है। कॉलेज परिसर के भीतर ब्रू, कियोस्क और मदर डेयरी बूथ भी छात्रों को उचित मूल्य पर ताज़ा नाश्ता और पेय विकल्प प्रदान करते हैं।

प्रयोगशाला

कॉलेज भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र, जैव रसायन और वनस्पति विज्ञान जैसे विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए आधुनिक और कुशलतापूर्वक प्रबंधित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। यहां 10 प्रयोगशालाएं हैं, भौतिकी में दो वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान विभाग और जैव रसायन और भूगोल विभाग में एक–एक। चार उपकरण प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें से जो वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन, रसायन विज्ञान और भौतिकी विभाग में है और प्राणीशास्त्र विभाग में एक संग्रहालय है। इनके अतिरिक्त चार कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ भी हैं। सभी प्रयोगशालाएँ वाई–फाई सक्षम हैं और प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं।

पत्रिका

कॉलेज पत्रिका (शिवराज) छात्रों को अपने अनुभव, विचार और राय साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। पत्रिका के माध्यम से लेख, कविताएँ, निबंध और कहानियाँ विभिन्न विषयों में छात्रों के साहित्यिक कौशल को प्रस्तुत करने और कवर डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित करके छात्रों की भागीदारी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है जो पत्रिका को रचनात्मक प्रदान करता है। छात्रों को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है क्योंकि यह उनके कॉलेज जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार हिस्सा है।

कॉलेज सभागार
सभागार अत्याधुनिक ऑडियो–विजुअल प्रणाली, प्रोजेक्टर और मंच और प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित है। कॉलेज में प्रोजेक्टर के साथ एक वाई–फाई सक्षम सभागार है और लगभग 500 लोगों के बैठने की क्षमता है। यह विभिन्न पाठ्येतर, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों जैसे सेमिनार, वार्ता, बहस, नाटक, फिल्म–स्क्रीनिंग और विभागीय उत्सवों का केंद्र है। कई छात्रों के लिए सभागार वह मंच प्रदान करता है जहां वे अपने मंच–भय पर काबू पाते हैं और अपने कॉलेज जीवन का पहला प्रदर्शन देना सीखते हैं। इसके अलावा, नव जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ तीन सभागार हैं।

सुविधाजनक स्थान

रिंग रोड के पास कॉलेज (पिंक एवं ब्लू दोनों) राजौरी गार्डन मेट्रो से पैदल दूरी पर है। केंद्र में स्थित होने से अस्पतालों, रेस्तरां और शॉपिंग सेंटर जैसी विभिन्न सार्वजनिक सुविधाओं से घिरा हुआ है, यह हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम (प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम)
कॉलेज जर्मन और फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो सभी छात्रों के लिए है। यह पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर की अवधि के लिए है और कक्षाएँ सप्ताह में तीन बार आयोजित की जाती हैं। इस पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने के लिए 66 प्रतिशत उपस्थिति मानदंड को पूरा करना होगा। दो सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने पर, उसे दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। पात्रता मानदंड और इस पाठ्यक्रम में प्रवेश का विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा।

छात्र सूचना प्रणाली
शिवाजी प्लेटफॉर्म फॉर एकेडमिक कनेक्ट एंड एम्पावरमेंट (स्पेस) एक अत्याधुनिक ईआरपी प्रणाली है। यह सभी छात्रों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन की निगरानी के लिए ऑनलाइन पहुँच प्रदान करता है।

बैंकिंग सुविधा
कॉलेज परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। कर्मचारी और छात्र खाते खोलने के साथ–साथ अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

जेरॉक्स सुविधा
कॉलेज के भीतर दो ज़ेरॉक्स केंद्र हैं जहाँ छात्र बहुत मामूली दर पर फोटोकॉपी और बुक बाइंडिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। जहां एक फोटोकॉपी आउटलेट मुख्य द्वार के निकट स्थित है, वहीं दूसरा पुस्तकालय परिसर से संचालित होता है।

विश्वविद्यालय (डब्ल्यूयूएस) स्वास्थ्य सेवा केंद्र
कॉलेज के पसिर में छात्रों और विश्वविद्यालय के सदस्यों के लिए एक डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र है। छात्र 120 रुपये सालाना की मामूली दर पर स्वास्थ्य सुविधाओं – आपातकालीन सेवाओं, मुफ्त परामर्श और मुफ्त चिकित्सा का लाभ उठा सकते हैं।

सौहार्दपूर्ण वातावरण
कॉलेज प्रशासन ने प्रिंसिपल के कार्यालय के बाहर छात्रों के लिए एक शिकायत पेटी लगाई है, जहां यौन उत्पीड़न, रैगिंग और छेड़छाड़ से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। कॉलेज परिसर एक धूम्रपान मुक्त और वाहन मुक्त क्षेत्र है जो छात्रों की भलाई के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

एन.सी.सी. शिवाजी कॉलेज की इकाई प्रेरित और प्रशिक्षित युवाओं का एक समूह है जो नेतृत्व गुण प्रदर्शित करता है। लड़कों का विंग दूसरी दिल्ली बटालियन, नई दिल्ली से जुड़ा हुआ है और लड़कियों का विंग 7वीं दिल्ली गर्ल्स बटालियन, कीर्ति नगर के अंतर्गत आता है। हमारे कैडेटों ने विभिन्न शिविरों में कई पुरस्कार जीते हैं और कॉलेज का नाम रोशन किया है। हमारे कैडेटों को गणतंत्र दिवस शिविर, आर्मी अटैचमेंट कैंप, थल सेना कैंप, ट्रैकिंग और पैरासेलिंग कैंप जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने का अवसर मिलता है। एन.सी.सी. सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि आईएमए और ओटीए में कुछ रिक्तियां एन.सी.सी. के लिए आरक्षित हैं। जो छात्र चिकित्सकीय रूप से फिट हैं और एन.सी.सी. में शामिल होने के इच्छुक हैं। वे सत्र की शुरुआत में एक आवेदन जमा करके प्रशिक्षण में दाखिला ले सकते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

शिवाजी कॉलेज की एनएसएस इकाई कॉलेज के सबसे सक्रिय छात्र–शिक्षक कक्षों में से एक होने का दावा करती है। इसका उद्देश्य राज्य से जुड़े विश्वविद्यालय अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों को पूरा करना है। एनएसएस, कंधे से कंधा मिलाकर हमारे स्वयंसेवक छात्रों के निरंतर और समग्र विकास के लिए काम करता है, जिन्हें अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरी तरह से पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। एनएसएस के संकाय, हमारे कॉलेज के प्राचार्य के अथक प्रोत्साहन के साथ, एनएसएस के पंजीकृत स्वयंसेवकों को निस्वार्थ सेवा की अवधारणा से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। एनएसएस छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिताओं, आउटडोर भ्रमण और रैलियों जैसी विभिन्न छात्र गतिविधियों का भी आयोजन करता है।

इको क्लब

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का इको–क्लब एक बहुआयामी, अत्यधिक सक्रिय सोसाइटी है जो पर्यावरण विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार के समन्वय से चलता है। इको–क्लब भावी पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरुकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पर्यावरण के संरक्षण के लिए विभिन्न पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर समग्र पर्यावरण शिक्षा में सक्रिय रूप से व्यवहारिक धरावल पर उसका प्रयोग करने में लगा हुआ है।

हरित परिसर के विचार को बढ़ावा देने के लिए, यह कॉलेज परिसर में सौर पैनलों और वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना जैसे विभिन्न उपायों को अपनाना है। इसके अलावा, यह पर्यावरण जागरुकता के लिए विभिन्न थीम–आधारित कार्यक्रम, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करता है, और अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय दिवस मनाता है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं को कम करने के लिए संभावित समाधान ढूंढता है।

पूर्व छात्र क्लब

शिवाजी कॉलेज में एक सक्रिय पूर्व छात्र क्लब है, जो संस्थान के लिए पूर्व संकाय और पूर्व छात्रों के साथ नेटवर्क और सहयोग करने का एक मंच है। पूर्व छात्र सदस्य अक्सर कॉलेज के प्लेसमेंट सेल को विभिन्न कंपनियों से जुड़ने में मदद करते हैं। एसोसिएशन की योजना मेधावी छात्रों के लिए नई छात्रवृत्तियां शुरू करने और सभी छात्रों के लिए इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित करने की है।

महिला विकास प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ समाज के हर वर्ग में व्याप्त लैंगिक असमानता के मुद्दों को उजागर करने के लिए पूरे वर्ष काम करता है। इसका उद्देश्य इन चिंताओं के बारे में जागरुकता पैदा करना है, उन्हें आगे लाना है और उन्हें सशक्त पुरुष और अशक्त महिला और तीसरे लिंग के बीच की खाई को पाटने के लिए खुली चुनौती देना है। हालाँकि समानता, न्याय और अवसर लोकतंत्र के आदर्श हैं लेकिन इन्हें हासिल करना असंभव है अगर आधी आबादी केवल लैंगिक अशक्त है। कानून मदद करते हैं, लेकिन लोगों की मानसिकता को बदलना महत्वपूर्ण है, ताकि वे उचित विकल्प चुनें जो सभी के लिए अवसरों का पक्ष लें और किसी के लिए भी विकलांगता का पक्ष न लें।

इन मुद्दों को कार्यशालाओं, व्याख्यानों, सेमिनारों और बहसों के माध्यम से सेल के सदस्यों और कॉलेज के लड़कों–लड़कियों द्वारा समाज के समक्ष सामने लाया जाता है। हर साल चुनिंदा लोगों को, जो अपने और अपने आसपास के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पितृसत्ता को चुनौती देते हैं, शिवाजी कॉलेज द्वारा स्थापित जीजाबाई पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

पूर्व छात्र संबंध कक्ष

शिवाजी कॉलेज के पूर्व छात्र संबंध सेल का लक्ष्य दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों और हिस्सों से पूर्व छात्रों का एक मजबूत नेटवर्क विकसित करना है। इसका इरादा वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्र समुदाय के बीच संपर्क के रूप में कार्य करना है, जिससे संसाधनों, अवसरो के आदान–प्रदान और मार्गदर्शन के विस्तार की सुविधा मिल सके।

समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र
समावेशिता संवर्धन केंद्र समावेशी समाज के लिए एक विचार, एक दृष्टि, एक स्थान है। शिवाजी कॉलेज में छात्र विविध पृष्ठभूमि और विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं और वे विभिन्न अनुशासनात्मक अध्ययन का विकल्प चुन सकते हैं। जबकि कुछ अनुशासनात्मक अध्ययनों में पाठ्यक्रम लिंग, लैंगिकता, जातीयता, जाति/धर्म आदि पर आधारित सामाजिक असमानताओं पर चर्चा करने की गुंजाइश प्रदान करते हैं। इस केंद्र का लक्ष्य सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने वाले विचारों और अभ्यासों पर विचार–विमर्श के लिए कक्षा के बाहर एक मंच प्रदान करना है।

सांस्कृतिक संस्था
कॉलेज में एक बहुत ही जीवंत सांस्कृतिक संस्था है जो छात्रों को कला और सौंदर्यशास्त्र में अपनी असंख्य अभिव्यक्तियाँ प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। कल्चरल सोसाइटी शैक्षणिक वर्ष के दौरान कॉलेज में नए छात्रों के सुचारु प्रवेश के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करती है। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए देशभक्ति और मनोरंजक प्रदर्शन एक साथ रखे जाते हैं।

स्पिक मैके के सहयोग से कॉलेज शास्त्रीय नृत्य और संगीत के प्रदर्शन का आयोजन करके छात्रों को देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराता है। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, वाइब्रेशन्स में, विभिन्न संस्थानों के छात्र एक स्वस्थ, प्रतिस्पर्धी माहौल में वाद–विवाद, संगीत, फैशन, नृत्य, ललित कला, फोटोग्राफी और थिएटर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। समापन समारोह में एक स्टार–नाइट का अनावरण किया गया। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में प्रत्येक सोसायटी द्वारा नए सदस्यों के लिए ऑडिशन आयोजित किए जाते हैं। ये समाज इस प्रकार हैं:

बिज़ारे
फैशन सोसाइटी छात्रों की व्यापक भागीदारी को आकर्षित करती है और ऐसे प्रदर्शनों का मंचन करती है जिनसे फैशन को सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों के संदर्भ में प्रदर्शित किया जाता है जिसे चौतरफा सराहना मिलती है। बिज़ारे पनाचे का आयोजन करता है जिसमें कई टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह अंतर–विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धी आयोजनों में अत्यधिक सम्मानित सोसायटी है।

डिक्टम
पब्लिक स्पीकिंग सोसायटी छात्रों को संसदीय और पारंपरिक बहस प्रारूपों में अंग्रेजी और हिंदी दोनों में अपने विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। सोसायटी वार्षिक प्रतियोगिताओं जैसे शिवाजी भोंसले वाद–विवाद प्रतिपयोगिता और एथेना का आयोजन करती है।

दोनों प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय सर्किट में बेहद लोकप्रिय हैं, जिन्हें भारी संख्या में लोग और उत्साही प्रतिक्रिया मिल रही हैं।

फुटलूज
डांस सोसायटी एक उत्कृष्ट मंच प्रस्तुत करती है ऐसे छात्र जिनमें नृत्य के प्रति जुनून और क्षमता है। फुटलूज अपने वार्षिक कार्यक्रम टैन्ज़फ्लाचे का आयोजन करता है जिसमें कॉलेजों और विश्व विद्यालयों से भारी भागीदारी देखी जाती है।

रिवर्ब
म्यूज़िक सोसाइटी गायन या वाद्य संगीत में रुचि रखने वाले छात्रों को शामिल करती है। रिवर्ब टीम कॉलेज के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे ओरिएंटेशन डे, स्वतंत्रता दिवस, इंस्पायर साइंस कैंप और वार्षिक दिवस पर प्रदर्शन करती है और चारों और से प्रशंसा बटोरती है। सोसायटी अपने वार्षिक उत्सव स्वरांजलि का आयोजन करती है जिसमें विभिन्न कॉलेजो से भी व्यापक भागीदारी होती है। रेवरब के कई छात्रों ने संगीत को अपने करियर के रूप में चुना है।

शटरबगस
फ़ोटोग्राफ़ी और फ़िल्म मेकिंग सोसाइटी अपने सदस्यों के कौशल को इस हद तक विकसित करती है कि उनके काम को संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों में प्रशंसा मिलती है। सोसायटी उन्नत पोस्ट–प्रोसेसिंग तकनीकों पर काम करती है, देश भर में यात्राओं की योजना बनाती है और अनुभवी फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करती है। शटरबग्स सिनेड्रोम का आयोजन करता है जिसमें कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वयम
थिएटर सोसाइटी दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ समूहों में से एक है। उस कार्यक्रम में उन्हें नुक्कड़ नाटक में सर्वश्रेष्ठ टीम, सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट, निर्देशन, संगीत और अभिनेता चुना गया था।
कई मौकों पर, वयम ने एनएसडी, पृथ्वी थिएटर, सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम, कमानी ऑडिटोरियम में प्रदर्शन किया है। वयम अपने वार्षिक कार्यक्रम उद्घोष का आयोजन करता है और मीडिया का बहुत ध्यान आकर्षित करता हैं।

विबग्योर
फाइन आर्ट्स सोसाइटी कलात्मक सोच वाले छात्रों को अपनी प्रतिभा को विबग्योर बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। विबग्योर दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर–कॉलेज उत्सवों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और एक शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कॉलेजों में लगभग सौ पुरस्कार जीते हैं। सोसायटी प्रतिवर्ष कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित करती है।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ
उद्यमिता विकास सेल (ईडीसी), शिवाजी कॉलेज का मिशन युवाओं के बीच उद्यमशील मानसिकता को बढ़ावा देना और नौकरी रचनाकारों को बढ़ावा देना है। इसने छात्रों को उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल और प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में काम किया। यह छात्रों को अपने कौशल को निखारने अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करने और उन्हें उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करने के लिए गतिविधियाँ आयोजित करता है।

नवोदित उद्यमियों में रचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए व्यवसाय योजना प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। कई व्याख्यान, कार्यशालाएँ, पैनल चर्चाएँ उद्यमिता की भावना को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए विशेषज्ञों के साथ–साथ अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं

TEDx शिवाजी कॉलेज

TED ऐसे विचार लाता है जो दुनिया को बदल सकते हैं। इन विचारों को वैश्विक समुदाय तक पहुंचाने में प्रौद्योगिकी, मनोरंजन और डिज़ाइन एक साथ आते हैं। TEDx अपने मूल प्लेटफ़ॉर्म के मिशन को दर्शाता है। TEDx आयोजनों में, TED टॉक वीडियो की स्क्रीनिंग या लाइव प्रस्तुतकर्ताओं और TED टॉक वीडियो के संयोजन को स्थानीय स्तर पर नई संभावनाओं और कार्यों को प्रेरित करने के लिए एक साथ लाया जाता है। शिवाजी में TEDx कार्यक्रम कॉलेज के मिशन–एक जीवन को बदलो, राष्ट्र को बदलो से मेल खाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल कुछ ही कॉलेजों ने अब तक TEDx आयोजित किया है।

विभागीय सोसायटी

प्रत्येक विभाग की अपनी सोसायटी होती है जो छात्रों को ज्ञान, कौशल और रचनात्मक योग्यता के उत्तेजित आदान–प्रदान के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करती है। सोसायटी छात्रों को पाठ्यक्रम से परे सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए त्योहारों और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं।

शिवालिक	भौगोलिक सोसायटी
चैपरोन	बायोकेमिकल सोसायटी
फ्रेगरेंस	बॉटनिकल सोसायटी
रसतंत्रम	केमिस्ट्री सोसायटी
काइज़ेन	कॉमर्स सोसायटी
वेबस्टर्स	कंप्यूटर–साइंस सोसायटी
नि:श्रेयस	संस्कृत सोसायटी
पांडेमोनियम	इंग्लिश लिटरेरी सोसायटी
दडेमोक्रेट्स	पॉलिटिकल साइंस सोसायटी
इतिहास	इतिहास सोसायटी
इन्फिनिटी	गणित सोसायटी
इनवेनियो	फिजिक्स सोसायटी
एपिटोम	इकोनॉमिक्स सोसायटी
साहित्य संगम	हिन्दी सोसायटी
ऑयस्टर	जूलॉजिकल सोसायटी
इनोवॉक	बी.बी.ई. सोसायटी

2023-24 में प्रवेश के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम और स्वीकृत संख्या

पाठ्यक्रम की पेशकश (यूजी-प्रवेश आधारित)	कुल सीटें	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) गणित	115	46	17	9	31	12
बैचलर ऑफ कॉमर्स (ऑनर्स)	115	46	17	9	31	12
बैचलर ऑफ कॉमर्स (प्रो.)	115	46	17	9	31	12
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) भूगोल	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) हिंदी	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) इतिहास	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान (प्रो.)	231	93	35	17	63	23
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) अंग्रेजी	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) संस्कृत	57	23	9	4	15	6
बैचलर ऑफ साइंस (रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान)	39	16	6	3	10	4
बैचलर ऑफ साइंस (जीवन विज्ञान)	115	46	17	9	31	12
बैचलर ऑफ साइंस (कंप्यूटर साइंस के साथ भौतिक विज्ञान)	78	31	12	6	21	8
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) बायोकैमिस्ट्री	39	16	6	3	10	4
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) बॉटनी	39	16	6	3	10	4
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	39	16	6	3	10	4
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) फिजिक्स	78	31	12	6	21	8
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) जूलॉजी	39	16	6	3	10	4
बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स	78	31	12	6	21	8

पाठ्यक्रम की पेशकश (पीजी-प्रवेश आधारित)	कुल सीटें	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस
मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिन्दी)	25	10	4	2	7	2
मास्टर ऑफ आर्ट्स (राजनीति विज्ञान)	25	10	4	2	7	2
मास्टर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)	25	10	4	2	7	2

*पीएचडी/कश्मीरी प्रवासियों/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/विदेशी छात्रों के लिए सीटें विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार आरक्षित हैं।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

आवेदकों को प्रवेश के समय सेट-सत्यापित फोटोकॉपी के साथ निम्नलिखित मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे:

दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा प्रमाणपत्र और मार्कशीट	आवेदक को प्रमाणित करने वाले सक्षम प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है।
बाहरवीं कक्षा की मार्कशीट	नवीनतम आय प्रमाणपत्र, जहां भी लागू हो।
बाहरवीं कक्षा का अनंतिम प्रमाणपत्र/मूल प्रमाणपत्र	नवीनतम पासपोर्ट आकार की तस्वीरें
उम्मीदवार के नाम पर एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम/ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र	स्थायी पते का प्रमाण (केवल फोटोकॉपी)
उम्मीदवार के नाम पर ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है (केंद्रीय सूची में ओबीसी उम्मीदवारों के लिए)	आधार कार्ड की फोटोकॉपी (एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य)

स्नातक योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया*

1. दिल्ली विश्व विद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी 2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), गैर–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड एनसीडब्ल्यूईबी और विदेशी नागरिकों को प्रवेश को छोड़कर),
2. शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन की सामग्री के साथ–साथ इस पर प्रकाशित अधिसूचनाओं, अपडेट और सूचनाओं को अवश्य पढ़ना चाहिए।
3. अभ्यर्थी को सीयूईटी में केवल उसी विषय में उपस्थित होना होगा जिसमें उसने बाहरवीं कक्षा उतीर्ण की हो।
4. यदि बाहरवीं कक्षा में अध्ययन किए गए विषय का सीयूईटी में उल्लेख नहीं किया गया है, तो उम्मीदवार को उस विषय में उपस्थित होना होगा जो बारहवीं कक्षा में पढ़े गए विषय के समान/निकटता से संबंधित है (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा में बायोकैमिस्ट्री का अध्ययन किया है, उसे सीयूईटी 2023 में जीवविज्ञान में उपस्थित होना होगा)।
5. मेरिट केवल उन विषयों के संयोजन पर आधारित होगी जिनमें उम्मीदवार सीयूईटी में उपस्थित हुआ है, जैसा कि संबंधित कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता में उल्लिखित है।
6. उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष अध्ययन और उतीर्ण होना चाहिए।
7. शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी 2023 में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा।
8. उम्मीदवारों को कार्यक्रम–विशिष्ट आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर सीयूईटी 2023 के विषय/पेपर में उपस्थित होना चाहिए।
9. उम्मीदवारों को यह जांचने की सलाह दी जाती है कि वे उस कार्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं जिसके लिए वे प्रवेश परीक्षा में आवेदन कर रहे हैं। प्रवेश अध्ययन के संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उम्मीदवार के अधीन है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यकंम में आवेदन करने के लिए निर्धारित किसी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में शामिल होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर है। यदि किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताएँ पूरी नहीं हुई हैं, तो प्रवेश, यदि दिया गया है, तो वास्तव में रद्द कर दिया जाएगा।
10. सीयूईटी 2023 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय, अधिनियम, 1922 और कानून से परामर्श लें। दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम विश्व विद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जो उन पर बाध्यकारी होंगे।
11. विश्वविद्यालय के अध्यादेश–1 के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, उन कार्यक्रमों को छोड़कर जहां संबंधित नियामक निकाय, जैसे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), ऑल इंडिया काउंसिल टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु की आवश्यकता निर्धारित की है।
12. स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष–2023 में प्रवेश के लिए सीयूईटी में भी उपस्थित होना होगा।

*आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे https://www.admission.uod.ac.in/ पर उपलब्ध स्नातक प्रवेश बुलेटिन की जानकारी पढ़ें।

*सीएसएएस 2023 पर अधिक स्पष्टीकरण के लिए, कृपया https://www.admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/UG_CSAS_2023_14062023.pdf देखें

स्नातक प्रवेश के लिए आवश्यक पात्रता

सामान्य न्यूनतम पात्रता*:

उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

* न्यूनतम पात्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केवल एक बोर्ड की मार्कशीट/डिग्री पर विचार किया जाएगा। (उदाहरण के लिए, यदि कोई उम्मीदवार गणित को छोड़कर पांच विषयों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुआ है और बाद में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) जैसे किसी अन्य बोर्ड से गणित में शामिल होता है और उत्तीर्ण होता है, तो न्यूनतम पात्रता उसके द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। केवल सीबीएसई द्वारा जारी मार्कशीट)

कार्यक्रम-विशिष्ट/पात्रताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी)–2023 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन विशिष्ट विषयों की सूची।

सूची ए : सीयूईटी (यूजी) – 2023 की धारा 1ए धारा 1बी की भाषाएँ

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना होगा					
अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिंधी	असमिया	हिन्दी
मराठी	स्पेनीश	बंगाली	इतालवी	नेपाली	तमिल
बोडो	जापानी	उड़िया	तेलुगू	चीनी	कन्नडा
फ़ारसी	तिब्बती	डोंगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
अंग्रेजी	कोंकणी	रुसी	फ्रेंच	मैथिली	संस्कृत
जर्मन	मलयालम	संथाली			

सूची बी : सीयूईटी (यूजी) – 2023 के खंड II ए में उल्लिखित डोमेन विशिष्ट विषयों को सूची बी1 और बी2 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। उम्मीदवार को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता का उल्लेख करना होगा जिनमें उसी सीयूईटी (यूजी) – 2023 में उपस्थित होना चाहिए।

	सूची बी1 में विषय		सूची बी2 में विषय
1	लेखाकर्म	1	कृषि
2	मनुष्य जाति का विज्ञान	2	इंजीनियरिंग ग्राफिक्स
3	जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/प्रौद्योगिकी/जैव रसायन	3	उद्यमशीलता
4	बिजनेस स्टडीज	4	ललित कला/दृश्य कला (मूर्तिकला/पेंटिंग)/वाणिज्य कला
5	रसायन विज्ञान	5	भारत की ज्ञान परंपरा प्रथाएँ
6	कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास	6	मास मीडिया/मास कम्युनिकेशन
7	अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र	7	कला प्रदर्शन
8	पर्यावरण अध्ययन	8	शारीरिक शिक्षा/एनसीसी/योग
9	भूगोल/भूविज्ञान	9	शिक्षण योग्यता
10	इतिहास		
11	गृह विज्ञान		
12	विधिक अध्ययन		
13	गणित शास्त्र		
14	भौतिक विज्ञान		
15	राजनीति विज्ञान		
16	मनोविज्ञान		
17	संस्कृत		
18	समाज शास्त्र		

सीबीएसई के अलावा अन्य बोर्ड के लिए विशेष निर्देश

- यदि किसी पेपर का शीर्षक उपरोक्त सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट से मेल नहीं खाता है, तो आवेदक के लिए अंतिम बार भाग लेने वाले संस्थान के प्रिंसिपल/प्रमुख से सामग्री समकक्ष प्रमाण पत्र प्रदान करना अनिवार्य है, जो प्रमाणित करता है कि पेपर की सामग्री समकक्ष है पेपर के लिए एनसीईआरटी कक्षा बाहरवीं पाठ्यक्रम। इस समकक्षता प्रमाणपत्र के साथ संस्थान के प्राचार्य/प्रमुख द्वारा सत्यापित पेपर के पाठ्यक्रम की एक प्रति संलग्न होनी चाहिए। हालाँकि, इस मामले पर दिल्ली विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- यदि आवेदक की मार्कशीट में कक्षा XI और XII दोनों के अंक है, तो आवेदक को प्रवेह फॉर्म में दिए गए संबंधित क्षेत्रों में केवल कक्षा XII के अंक दर्ज करने होंगे।
- **आवेदकों को थ्योरी और प्रैक्टिकल अलग-अलग अतीर्ण होना चाहिए। थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों घटकों वाला कोई भी पेपर केवल 70 (थ्योरी) : 30 (प्रैक्टिकल) के अनुपात में माना जाएगा यदि पेपर का थ्योरी घटक 70% से कम है।**
- एल आवेदक को ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म में प्रत्येक सिद्धांत और व्यावहारिक के लिए प्राप्त अंक और अधिकतम अंक और उनकी मार्कशीट के अनुसार योग को अलग से भरना चाहिए। यदि सिद्धांत/प्रैक्टिकल ब्रेकअप निर्दिष्ट नहीं है, तो आवेदक को संबंधित सिद्धांत/प्रैक्टिकल क्षेत्रों में 0 (शून्य) दर्ज करना होगा, और ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म में केवल कुल दर्ज करना होगा।
- मार्कशीट में उल्लिखित आंतरिक मूल्यांकन अंकों का उपयोग किसी भी गणना के लिए नहीं किया जाएगा।
- **ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत योग्यता आधारित प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड यूआर श्रेणी के समान होगा।**
- केवल सूची बी1 और बी2 में उल्लिखित कागजात को ही कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता के लिए विषय माना जाएगा।
- सीयूईटी 2023 में उम्मीदवार द्वारा प्राप्त अंक को योग्यता तय करने और स्नातक कार्यक्रमो में प्रवेश देने के लिए विषयों के कार्यक्रम–विशिष्ट संयोजनों के अनुसार कुल अंकों की गणना के लिए माना जाएगा। मेरिट केवल उस विषय के संयोजन पर आधारित होगी जिसमें एक उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता में उल्लिखित सीयूईटी 2023 में उपस्थित हुआ है।

विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ''सर्वश्रेष्ठ चार'' संयोजन

बी.ए. (प्रो.) (कार्यक्रम)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I:

सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची बी1 में से कोई दो विषय + सूची बी2 में से सूची बी1 में से कोई एक विषय

या

संयोजन II:

सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय + सीयूईटी का खंड III (सामान्य परीक्षण)

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। टिप्पणी:

चूँकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी/हिन्दी

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

सूची ए से अंग्रेजी + सूची ब1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I:

सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची बी1 से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

संयोजन II:

सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची ए से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

संयोजन II:

सूची ए से संस्कृत + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय

या

संयोजन खत:

सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय

मेरिट उरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए संयोजन IV का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा यदि संयोजन I/II/III का चयन करने वाली सभी अभ्यर्थियों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहती हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल/इतिहास/राजनीतिक विज्ञान

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा।

सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

सूची ए में से कोई एक भाषा + गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 में से होना चाहिए, मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान/भौतिकी

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी। उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान/जूलॉजी

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसाय

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी। उम्मीदवारों को सीयूई में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I:

रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन + भौतिकी

या

संयोजन II:

रसायन विज्ञान + जीवविज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन + गणित मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (प्रो.) जीवन विज्ञान

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

रसायन विज्ञान + भौतिकी + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी। उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (प्रो.) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + गणित + रसायन विज्ञान

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (प्रो.) कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II:

भौतिकी + गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

सूची ए + गणित + कोई भी दो विषयों में से कोई एक भाषा, जिनमें से एक सूची बी१ से होना चाहिए, मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I:

सूची ए से कोई एक भाषा + गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

संयोजन II:

सूची ए से कोई एक भाषा + गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए योग्यता होगी

बी.कॉम.(प्रो.)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I:

सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय

या

संयोजन II:

सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय + सीयूईटी का खंड III (सामान्य परीक्षण)

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

ध्यान दें: चूंकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

यूजीसीएफ 2023-24 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशानिर्देश

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक को भारत या किसी विदेशी देश में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा की बाहरवीं कक्षा की परीक्षा उतीर्ण होनी चाहिए, जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10 +2 प्रणाली के समकक्ष है।
- वर्ष के अंतराल वाले आवेदकों को स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई नुकसान नहीं होगा।
- प्रत्येक कार्यक्रम में 10% अतिरिक्त सीटें विदेशी नागरिकों के लिए आरक्षित हैं। विदेशी छात्र श्रेणी के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को विदेशी छात्र रजिस्ट्री वेबसाइट: http://fsr.du.ac.in/ पर आवेदन करना होगा।
- सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों के उम्मीदवार भी विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक कॉलेजों में अल्पसंख्यक कोटा के तहत प्रवेश ले सकते हैं। ऐसे सभी उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।
- स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और एनसीडब्ल्यूईबी में प्रवेश बाहरवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होगा। अभ्यर्थियों को www.admission.uod.ac.in. पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

सीटों की कुल संख्या का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित मामले के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5% यदि आवश्यक हो तो विनिमेय)।

(ए) उसकी जाति/जनजाति का नाम

(बी)क्या उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित है

(सी)उम्मीदवार का सामान्य निवास स्थान जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश.

(डी)भारत सरकार की उचित अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को एससी या एसटी के रूप में अनुमोदित किया गया है।

प्रवेश के समय उम्मीदवार को वैध मूल एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार है:

1. जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त/कलेक्टर/उपायुक्त/अपर. डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट/सब–डिविजनल मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
2. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अपर. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट.
3. राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।
4. उस क्षेत्र का उप–विभागीय अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।
5. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकार (लक्षद वीप द्वीप समूह)।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि किसी अन्य व्यकित / प्राधिकारी से एससी / एसटी प्रमाणपत्र एससी या एसटी में स्वीकार नहीं किया जाएगा, उम्मीदवार की जाति / जनजाति को उचित सरकार में सूची बद्ध किया जाना चाहिए। भारत की अनुसूची.

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजो का वैधानिक दायित्व है।

कॉलेज शिक्षा के माध्यम के आधार पर किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को प्रवेश देने से इनकार नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए: इस प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके कॉलेज द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के लिए सीटों का आरक्षण

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी–गैर–क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति केंद्रीय में शामिल है, यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति केंद्रीय के आधार पर निर्धारित की जाएगी) (भारत सरकार) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की सूची (वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backwardclasses/index.html पर उपलब्धध हैं)

प्रमाणपत्र में उम्मीदवार की गैर–क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख

होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-स्था. (एसटीसी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर–क्रीमी लेयर स्थिति)

ओ.बी.सी. उम्मीदवार जो 'नॉन–क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओ.बी.सी. की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी ('नॉन–क्रीमी लेयर' के संबंध में ओबीसी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि) के तहत प्रवेश के लिए विचार किए जाने के पात्र होंगे। डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2023–स्था. (Res-I) दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की क्रीमी लेयर स्थिति)। प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2022 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय के नोटिफिकेशन (संदर्भ संख्या एसीए. ।/ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या एसीए. ।/ ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019/101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार, आरक्षण के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए, विश्वविद्यालय विभागों / केंद्रों / कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं।

अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश

सभी सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश सीयूईटी 2023 के माध्यम से होगा। सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

वर्ग

सशस्त्र बलों (सीडब्ल्यू) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं के लिए आरक्षण

सभी कॉलेजों में कार्यक्रम–वार, इस श्रेणी के तहत उम्मीदवारों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।

विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 **में उपस्थित होना होगा।** ऐसे सभी उम्मीदवारों को उचित लेटरहेड पर निम्नलिखित में से किसी भी अधिकारी द्वारा जारी शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा:

1. (ए) सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।
2. (बी) सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।
3. (सी) प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय।
4. (डी) प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट।
5. (ई) गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए)

किसी अन्य प्रारूप की अनुमति नहीं होगी। सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के बदले माता–पिता या आश्रित के आईडी कार्ड, मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। जिन प्रमाणपत्रों में प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं है, उन पर विचार किया जाएगा।

काश्मीरी प्रवासियों का आरक्षण (किमी)

काश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में कार्यक्रम–वार 5% तक सीटें आरक्षित हैं। काश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी काश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

काश्मीरी प्रवासी कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवार को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम के छात्रों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम नामांकन योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

सरकार द्वारा नामांकित सिक्किम के छात्र। सिक्किम के उन कॉलेजों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विचार किया जाएगा जहां छात्रावास सुविधाएं उपलब्ध हैं (एसी संकल्प 51 दिनांक 05/06/1980 और 122 दिनांक 17/12/1990)। संबंधित कॉलेजों में प्रवेश के साथ–साथ छात्रावास आवास के लिए सिक्किम के छात्रों का आवंटन कुलपति द्वारा अपने विवेक पर किया जाएगा।

इन नामांकित सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

कार्यक्रम सीटें

बी.ए. (ऑनर्स) 1

बी.कॉम. 4

बीएससी जीवन विज्ञान/अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान 2

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों, शैक्षणिक और गैर–शिक्षण दोनों के बच्चों के लिए प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाण पत्र होना चाहिए केवल पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई–कार्ड, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसए/या स्पोर्ट्स के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाणपत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% का वेटेज दिया जाएगा।

अधिक जानकारी अलग से अधिसूचित की जाएगी।

खेल प्रवेश

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए शिवाजी कॉलेज द्वारा खेल प्रवेश सख्ती से दिल्ली विश्व विद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा। छात्रों को इस संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। वे अधिक जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट /या विश्वविद्यालय प्रवेश बुलेटिन देख सकते हैं।

कॉलेज नीचे सूचीबद्ध खेलों में प्रवेश प्रदान करता है:

खेल/क्रीड़ा	वर्ग	खेल कोटा में सीटें	
		आकृति में	शब्दो में
वॉलीबॉल	महिलाएं	12	बारह
बास्केटबॉल	महिलाएं	12	बारह
	पुरूषों	2	दो
शतरंज	महिलाएं	5	पाँच
	पुरूषों	5	पाँच
खो–खो	महिलाएं	9	नौं

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए शुल्क संरचना

पाठ्यक्रम की पेशकश (यूजी-प्रवेश आधारित)	वार्षिक प्रवेश शुल्क
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) गणित	21970
बैचलर ऑफ कॉमर्स (ऑनर्स)	19850
बैचलर ऑफ कॉमर्स (प्रोगाम)	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) भूगोल	19850
कला स्नातक (ऑनर्स) हिंदी	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) इतिहास	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	18850
कला स्नातक (प्रोग्राम)	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) अंग्रेजी	18850
कला स्नातक (ऑनर्स) संस्कृत	18850
बैचलर ऑफ साइंस (रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान)	21970
विज्ञान स्नातक (जीवन विज्ञान)	21970
बैचलर ऑफ साइंस (कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान)	21970
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) बायोकैमिस्ट्री जीव रसायन	22970
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) बॉटनी वनस्पति विज्ञान	21970
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	21970
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) फिजिक्स भौतिक विज्ञान	21970
बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) जूलॉजी जीव विज्ञान	21970
कला स्नातक (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र	35670
सभी यूजी पाठ्यक्रमो के लिए पीडब्ल्यूडी छात्र	170

क्र.सं.	शुल्क प्रमुख (विश्वविद्यालय के अनुसार)	मानविकी पाठ्यक्रम	बी.कॉम.(ऑनर्स) और बी.ए. (एच) भूगोल	विज्ञान पाठ्यक्रम	बीएससी (एच) बायोकेम.	एम.ए. पाठ्यक्रम
1	ट्यूशन शुल्क	180.00	180.00	180.00	180.00	220.00
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
3	विश्वविद्यालय विकास निधि	900.00	900.00	900.00	900.00	900.00
4	विश्वविद्यालय सुविधाएं एंव सेवा शुल्क	500.00	500.00	500.00	500.00	500.00
5	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय निधि	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
6	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ निधि	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00
7	नामांकन शुल्क	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00
8	महाविद्यालय छात्र कल्याण	6220.00	6220.00	6220.00	6220.00	6220.00
9	महाविद्यालय विकास निधि	9550.00	9550.00	9550.00	9550.00	9550.00
10	कॉलेज सुविधाएं एंव सेवा शुल्क	1080.00	2080.00	4200.00	5200.00	1080.00
	कुल शुल्क	18850	19850	21970	22970	18890

- छात्रों को प्रवेश के समय सेमेस्टर I और II के लिए परीक्षा शुल्क जमा करना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालय ने शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के संबंध में फीस में रियासत/माफी का प्रावधान किया है। आपको विवरण के लिए यूनिवर्सिटी बुलेटिंग या डीयू वेबसाइट (www.du.ac.in) देखने की सलाह दी जाती है।
- कॉलेज उन छात्रों को शुल्क में छूट देता है जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है और प्रवेश के बाद प्रक्रिया शुरू की जाती है छात्रों को इसके लिए आवेदन करने के लिए आवेदन के साथ अपना बीपीएल कार्ड आदि प्रस्तुत करना आवश्यक है।

यू जी सी एफ 2023-24 के तहत मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम पेश किए गए

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

क्र.सं.	अवधि	विभाग
1.	शिक्षा में गांधी	इतिहास
2.	वैदिक गणित–१	गणित
3.	वित्तीय साक्षरता	कॉमर्स
4.	योग : दर्शन अभ्यानस	शारीरिक शिक्षा
5.	स्वच्छ भारत	भूगोल
6.	आयुर्वेद और पोषण	जैव रसायन
7.	विज्ञान और समाज	रसायन विज्ञान
8.	पंचकोश : व्यक्ति का समग्र विकास	संस्कृत
9.	भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य	हिन्दी
10.	अंग्रेजी में रेडिंग इंडियन फिक्शन	अंग्रेजी
11.	संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य	राजनीति विज्ञान

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम

क्र.सं.	अवधि	विभाग
1.	स्थिरता के लिए ई–कचरे की संभावना	जैव रसायन
2.	उन्नत स्प्रेडशीट उपकरण	रसायन विज्ञान
3.	डिजिटल मार्केटिंग	कॉमर्स
4.	पाइथॉन के साथ प्रोग्रामिंग	कंप्यूटर विज्ञान
5.	व्यक्तिगत वित्तीय योजना	अर्थशास्त्र
6.	रोजमर्रा की जिंदगी में संचार	अंग्रेजी
7.	रचनात्मक लेखन	अंग्रेजी
8.	रंगमंच	हिन्दी
9.	आर के साथ आँकड़े	गणित
10.	राजनीतिक नेतृत्व और संचार	राजनीति विज्ञान
11.	बुनियादी आईटी उपकरण	जीव विज्ञान

छात्रों को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है जिसे मांगे जाने पर उन्हें प्रस्तुत करना होता है। नए सत्र की शुरूआत में आई–कार्ड प्राप्त किए जा सकेंगे। इसे कॉलेज छोड़ते समय वापस करना होगा। मूल पहचान पत्र के खो जाने/चोरी होने की स्थिति में, 100/- रूपये के भुगतान पर डुप्लीकेट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है। इसकी रिपोर्ट करते हुए पुलिस स्टेशन में एक एफ.आई.आर. भी दर्ज की जानी चाहिए।

जमा की गई फीस के लिए निकासी नियम : छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस संबंध में अधिक अपडेट के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज की वेबसाइट देखें।

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस संबंध में अधिक अपडेट के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज की वेबसाइट देखें

1. जो छात्र कॉलेज छोड़ना चाहते हैं, उन्हें लाइब्रेरियन, एनसीसी अधिकारी, डीपीई, कैशियर और शिक्षक प्रभारी और विज्ञान प्रयोगशाला (विज्ञान के छात्रों के लिए) से निकासी पर्जी प्रस्तुत करने पर कॉलेज छोड़ने का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसका प्रभाव यह होगा कि उस पर कॉलेज का कुछ भी बकाया नहीं है

सुरक्षा प्रतिधारण अवधि

सुरक्षा प्रतिधारण अवधि पाठ्यक्रम पूरा होने या बीच में पाठ्यक्रम छोड़ने, जो भी लागू हो, के बाद दो साल तक है।

2. शुल्क एक माह बाद वापस कर दिया जाएगा।

3. जो छात्र अपना पंजीकरण वापस लेना चाहते हैं, उन्हें चेक जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर भुना लेना चाहिए। चेक जारी होने के 3 महीने बाद अमान्य होने की स्थिति में कॉलेज कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।।

प्रवेश समितियाँ

	नोडल कार्यालय (प्रवेश)	डॉ. अपर्णा जैन
	प्रवेश संयोजक	डॉ. सुरभि मदान
	सह संयोजक	डॉ. विकास शर्मा, डॉ. मिशा यादव, डॉ. दीप्ति, डॉ. ममता
	प्रवेश समिति	
1	**बी.ए. (प्रोग्राम)**	सुश्री भूमिका भवानी (संयोजक), प्रो. अमरजीवा लोचन, डॉ. सोनाली गर्ग, डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्र, डॉ. ज्योति शर्मा
2	**बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान**	डॉ. दीपिका यादव (संयोजक)
	बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	डॉ. नंद गोपाल गिरि (संयोजक)
	बी.एससी. (प्रोग्राम) एपीएस	श्री राकेश यादव (संयोजक), डॉ. अर्पणा जैन
3	**बी.कॉम. प्रोग्राम**	डॉ. रमेश कुमार मलिक
4	**ऑनर्स पाठ्यक्रम**	सभी प्रभारी शिक्षक अपने-अपने विभाग का एडमिशन करेंगे
	प्रभारी शिक्षक : 2023-24	
1.	जैव रसायन	डॉ. सुनीता सिंह
2.	वनस्पति विज्ञान	प्रो. प्रतिमा रानी सरदार
3.	व्यावसायिक अर्थशास्त्र	सुश्री सुमन खरबंदा
4.	रसायन विज्ञान	डॉ. नीना खन्ना
5.	कॉमर्स	श्री राजेश कुमार
6.	कंप्यूटर विज्ञान	श्री राकेश यादव
7.	अर्थशास्त्र	डॉ. शिवानी गुप्ता
8.	अंग्रेजी	डॉ. अंजलि रमन
9.	पर्यावरण अध्ययन	डॉ. वी. प्रभावती
10.	भूगोल	डॉ. राजेंद्र सिंह
11.	हिन्दी	डॉ. विकास शर्मा
12.	इतिहास	प्रो. खुर्शीद खान
13.	गणित	डॉ. बबिता गुप्ता
14.	शारीरिक शिक्षा	श्री गौरव गोयल
15.	भौतिक विज्ञान*	प्रो. अरूण वीर सिंह
16.	राजनीति विज्ञान	डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा
17.	संस्कृत	डॉ. मेघराज मीणा
18.	जीव विज्ञान	डॉ. सुनीता गुप्ता
19.	बी.ए. कार्यक्रम पाठ्यक्रम एवं समाजशास्त्र विभाग	सुश्री भूमिका भावनानी
20.	बी.कॉम. प्रोग्राम	डॉ. रमेश कुमार मलिक
21.	बी.एससी कार्यक्रम (जीवन विज्ञान) पाठ्यक्रम	डॉ. दीपिका यादव
22.	बी.एससी भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रम	डॉ. नंद गोपाल गिरि

नोट : *01.05.2022 से 31.01.2023 तक शिक्षक प्रभारी, भौतिकी पाठ्यक्रम, शिवाजी कॉलेज के रूप में नियुक्त करें

UGCF STRUCTURE 2023-24

The UGCF is a structure for four-year undergraduate programmes in different disciplines with multiple exit options. The details of the structure are provided below in Table - 1.

TABLE - 1

Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.)

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship Apprentice-ship /Project/ Community outreach (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC-1(4) DSC-2(4) DSC-3(4)		Choose one from a pool of courses GE-1(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
II	DSC-4(4) DSC-5(4) DSC-6(4)		Choose one from a pool of courses GE-2(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study Discipline) after securing the requisite 44 credits In Semester I and II							Total-44
III	DSC-7(4) DSC-8(4) DSC-9(4)	Choose one from pool of coursesm DSE-1(4) OR Choose one from pool of courses, GE-3(4)**		Choose one from a pool of AEC courses(2)	Choose one SEC OR Internship Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2) *		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	DSC-10(4) DSC-11(4) DSC-12(4)	Choose one from pool of coursesm DSE-2(4) OR in the alternative choose one from pool of courses GE-4(4)**		Choose one from a pool of AEC courses(2)	Choose one SEC OR Internship Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2) *		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/Discipline) after securing the requisite 88 credits an completion of Semester IV							Total = 88
V	DSC-13(4) DSC-14(4) DSC-15(4)	Choose one from a pool of courses DSE-3(4)	Choose one from a pool of courses GE-5(4)		Choose one SEC OR Internship Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2) ***			22 credits
VI	DSC-16(4) DSC-17(4) DSC-18(4)	Choose one from a pool of courses DSE - 4(4)	Choose one from a pool of courses GE-6(4)^		Choose one SEC OR Internship Apprenticeship/ Project/Community Outreach (2) ***			22 credits
	Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 credits an completion of Semester VI							Total = 132
VII	DSC-19(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE (4)^ course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 7,8 & 9 (3x4) (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC-20(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 10,11 & 12 (3x4) (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entreprenurship) or (Honours with Research in Discipline-I (Major) with Discipline-2 (Minor) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII								Total = 176

*There shall be choice in III and IV Semesters to choose either one 'SEC' or in the alternative 'Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach' in each Semester for two credits each

**There shall be choice in Semester III and IV to either choose a DSE or a GE.

***There shall be choice in V and VI Semesters to choose either one 'SEC' or in the alternative 'Internship/Apprenticeship/Project/Research/ Community Outreach' in each Semester for two credits each.

#There shall be four choices in VII and VIII Semesters -

(i) to choose three DSEs of 4 credits each OR

(ii) (ii) to choose two DSEs and one GE of 4 credits each OR

(iii) (iii) to choose one DSE and two GEs of 4 credits each OR

(iv) (iv) to choose three GEs of 4 credits each.

^ 'Research Methodology' shall be offered as one of the GE courses in VI and VII Semesters. Students can opt for it either in VI semester or VI semester. However, students pursuing multidisciplinary studies in three core disciplines shall have to choose research methodology in VI semester, if she/he wishes to Major in one of the three disciplines in the fourth year.

व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स एक स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम है जो 2005 में कॉलेज में शुरू हुआ था। तब से यह कॉलेज में सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक बन गया है। छात्रों को एक कठोर प्रवेश प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जिसमें एक प्रवेश परीक्षा और योग्यता पर विचार, इस पाठ्यक्रम में एक सीट शामिल होती है। कक्षा शिक्षण के अलावा, पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रभावी शिक्षण और समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएँ भी शामिल हैं। इस कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने से छात्रों को जेपी मॉर्गन, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, मर्सर, एस एंड कैपिटल आईक्यू, अमेरिकन एक्सप्रेस, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, एओएन हेविट, एगॉन ज़ेन्डर, प्रोटिविटी जैसी प्रसिद्ध कंपनियों में अच्छे व्यावसायिक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होते हैं। जैनपैक्ट, टीसीएस और भी बहुत कुछ। छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में। एमबीई, एम.बी.ए., एम.ए (अर्थशास्त्र) और एम.कॉम जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का विकल्प भी चुन सकते हैं।

संकाय विवरण

सुश्री सुमन खरबंदा, एसोसिएट प्रोफेसर (एम.ए.,एम.फिल)

सुश्री उर्वशी साहित्य, सहायक प्रोफेसर (एम.फिल)

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग का लक्ष्य अपने छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और बौद्धिक विकास सुनिश्चित करके शिक्षा के संज्ञानात्मक पहलू को कायम रखना है। विभाग सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा पर मुख्य ध्यान देता है जो इसके छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाता है और उन्हें परिप्रेक्ष्य की एक अच्छी समझ देता है। इस पाठ्यक्रम का शैक्षणिक परिणाम उल्लेखनीय रहा है। हर साल परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने के अलावा, शिवाजी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों का एक अच्छा हिस्सा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जेएनयू, गोखले इंस्टीट्यूट, आईआईएफटी दिल्ली और विभिन्न प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश पाता है। समान रूप से अच्छे अनुपात में छात्रों को जेपी मॉर्गन, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, अमेरिकन एक्सप्रेस, जैनपैक्ट, टीसीएस और कई अन्य जैसी उच्च प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलते हैं।

एपिटोम, इकोनॉमिक्स सोसाइटी, प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में अपने वार्षिक इंटर-कॉलेज उत्सव 'पेरेटो' का आयोजन करती है। इस उत्सव में, विभाग के गतिशील छात्र केस स्टडी, समूह चर्चा, प्रश्नोत्तरी, पेपर प्रस्तुति आदि जैसे विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

शैक्षणिक सत्र के दौरान, एपिटोम छात्रों के लाभ के लिए प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कार्यशालाओं, सेमिनारों और व्याख्यानों जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

विभाग के संकाय सदस्य स्वयं को चल रहे परिवर्तनों और विकास से अवगत रखने के लिए विभिन्न सेमिनारों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। विभाग हर साल छात्रों को आवश्यकता-सह-योग्यता के आधार पर ''पी.सी. गांगुली छात्रवृत्ति'' प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य

सुश्री अंशू चोपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

सुश्री इति डंडोना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

श्री सुमीत एस. रहेजा, सहायक प्रोफेसर (चयन ग्रेड), एम.ए., एम.एससी (अर्थशास्त्र और अर्थमिति), एम.फिल

डॉ. शिवानी गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, (सीनियर स्केल), एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

सुश्री भूमिका भवनानी, सहायक प्रोफेसर (चयन ग्रेड), एम.ए., एम.फिल

श्री मोहम्मद इरफान आलम, सहायक प्रोफेसर (एम.ए.)

सुश्री निकिता गुप्ता, सहायक प्रोफेसर (एम.ए.)

सुश्री श्रुति गोयल, सहायक प्रोफेसर (एम.ए.)

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग की व्यापक पहुंच है और यह विभिन्न अंत:विषय अध्ययनों में पेपर प्रदान करता है। संकाय द्वारा नियोजित शैक्षणिक पद्धति का उद्देश्य पाठ्य पुस्तक शिक्षण के प्रतिबंधित मॉडल की सीमाओं से सीखने है। हम शिक्षा को एक समग्र परिप्रेक्ष्य प्रदान करने की दिशा में प्रयास करते हैं और लक्ष्य रखते हैं कि छात्र विभिन्न समसामयिक मुद्दों को प्रासंगिक बनाने और एक सूचित और संवेदनशील दृष्टिकोण को अपनाने के लिए अध्ययन करें। कक्षा में चर्चा के माध्यम से, छात्र इतिहास और समाज से संबंधित प्रश्नों को विभिन्न वैचारिक दृष्टिकोण से देखना सीखते हैं।

शिवाजी कॉलेज में बीए अंग्रेजी (ऑनर्स) के छात्र कॉलेज के सबसे गीतशील छात्रों में से हैं। वे अंग्रेजी विभाग की साहित्यिक सोसायटी, पैन्डेमोनियम के तत्वावधान में कई साहित्यिक और पाठ्येतर कार्यक्रमो के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन, वेबिनार, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ, रचनात्मक लेखन और साहित्यिक ग्रंथों की स्क्रीनिंग प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रमुख आकर्षण हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. अंजलि रमन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी

डॉ. सोनाली गर्ग, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी

सुश्री सियामलियानवुंग हांग्जो, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

डॉ. गीतरानी लीसांगथेम, एसोसिएट प्रोफेसर एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

सुश्री रितु मदान, सहायक प्रोफेसर एम.ए., एम.फिल.

डॉ. प्रियंका चकप्रम, सहायक प्रोफेसर एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी

सुश्री प्रीति देसोदिया, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.

डॉ. दिव्या मदान, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी

डॉ. गुंजन कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

श्री प्रणब कुमार बोरा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.

डॉ. संबुद्ध जश, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

भूगोल विभाग

भूगोल का विषय प्राकृतिक और मानवीय क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है। भूगोल का एक छात्र एक आकर्षक दुनिया से परिचित होता है – जो पृथ्वी की सतह पर आसानी से दिखाई देने वाली दुनिया से कहीं आगे तक फैली हुई है। यह वायुमंडल की सबसे :ऊपरी सीमा तक फैला हुआ है, और उसके बाद अंतरिक्ष में, सबसे गहरे महासागरों में और फिर पृथ्वी के अंदरूनी हिस्से में और भी गहराई तक फैला हुआ है। इसमें वायुमंडल, स्थलमंडल, जलमंडल, क्रायोस्फ़ेयर और जीवमंडल शामिल हैं। भूगोलवेत्ता उन प्रक्रियाओं का अध्ययन करते हैं जो इनमें से प्रत्येक क्षेत्र के भीतर संचालित होती हैं और जो पृथ्वी ग्रह पर जीवन को संभव बनाने के लिए जटिल संतुलन बनाने के लिए उन्हें एक साथ जोड़ती हैं। वे यह भी अध्ययन करते हैं कि यह नाजुक संतुलन कैसे बिगड़ता है, जिससे स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। स्नातक कार्यक्रम के पूरा होने पर, भूगोल के एक छात्र को यह समझ होगी कि हमारा पर्यावरण प्राकृतिक और मानवीय प्रक्रियाओं की परस्पर क्रिया से कैसे आकार लेता है, और ओजोन रिक्तीकरण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि, भूमि क्षरण और आपदाओं जैसी समस्याएं कैसे उत्पन्न होती हैं। मानवीय गतिविधियों से अंत:क्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के उन कुछ कॉलेजों में से एक है जो भूगोल में स्नातक सम्मान और कार्यक्रम पाठ्यक्रम प्रदान करता है। शिवाजी कॉलेज में भूगोल विभाग 38 वर्ष से अधिक पुराना है, हालांकि ऑनर्स पाठ्यक्रम केवल 1988 में शुरू हुआ था। विभाग के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित कार्टोग्राफी प्रयोगशाला और सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक अन्य बुनियादी ढांचा है। मुख्य पुस्तकालय में भूगोल पर पुस्तकों के समृद्ध भंडार के अलावा, विभाग अपने छात्रों को पठन सामग्री प्रदान करने के लिए अपना स्वयं का पुस्तकालय भी रखता है। कक्षा शिक्षण को परियोजना कार्य, क्षेत्रीय यात्राओं और सेमिनारों द्वारा सुदृढ किया जाता है।

विभाग के सदस्य

डॉ. ललिता राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, पीएच.डी

प्रो. तेजबीर सिंह राणा, प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. प्रीति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. राजेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. भरत रत्नू, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

सुश्री रश्मी सिंह, सहायक प्रोफेसर

सुश्री एकता रमन, सहायक प्रोफेसर

हिन्दी विभाग

हिंदी विभाग स्नातक स्तर पर बी. ए. ऑनर्स (हिंदी) और स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। जिसमें हिंदी को रोजगारोन्मुख परिप्रेक्ष्य में पढ़ाने पर बल दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को रंगमंच, अनुवाद, पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलती है। हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र समाजोन्मुख और संवेदनशील तो बनता ही है साथ ही उसके व्यक्तित्व और चारित्र निर्माण में भी यह पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग के पूर्व छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में शैक्षणिक पदों पर कार्यरत हैं कुछ छात्र विद्यालयों में टी.जी.टी. एवं पी.जी.टी पदों पर अध्यापन कर रहे हैं। कुछ मीडिया, टेलीविजन के क्षेत्र में सक्रिय है। विभाग समय समय पर विभिन्न साहित्यिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है।

विभागीय सदस्य

डॉ. सर्वेश कुमार दुबे, (एसोसिएट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

प्रो. रुचिरा ढींगरा, (प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

प्रो. वीरेन्द्र भारद्वाज, (प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. विकास शर्मा, (एसोसिएट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. ज्योति शर्मा, (एसोसिएट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

प्रो. दर्शन पाण्डेय, (प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. राजकुमारी, (एसोसिएट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. सरिता, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. कंचन, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. प्रवीण भारद्वाज, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम.ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. तरुण, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. कल्पना शर्मा, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

डॉ. अरविंदर कौर, (असिस्टेंट प्रोफेसर), एम. ए., एम फिल, पी एच. डी

इतिहास विभाग

एक सक्षम और प्रतिबद्ध संकाय से समृद्ध, इतिहास विभाग छात्रों को विभिन्न तरीकों से अनुशासन से जोड़ता है। युवा दिमागों को न केवल कक्षाओं में बल्कि बाहर भी शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम शिक्षार्थियों को उनके विश्लेषणात्मक और व्याख्यात्मक कौशल को सुधारने और समय और स्थान के साथ ऐतिहासिक प्रक्रियाओं को समझने में सुविधा प्रदान करने का प्रयास करते हैं। छात्रों को अतीत और वर्तमान के बीच बातचीत की प्रकृति पर विचार करने में सहायता करने के लिए सेमिनार, हेरिटेज वॉक, संग्रहालयों और ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया जाता है। मोटे तौर पर, अनुशासन के सिद्धांत समाज के लाभ और अनुशासन के संवर्धन के लिए मानवीय क्षमता को साकार करने में शिक्षकों और सिखाए गए लोगों की उत्साही भागीदारी के इर्द–गिर्द घूमते हैं। इसके अतिरिक्त छात्र और संकाय नए विषयों और इतिहास को समझने और करने के नए तरीकों पर शोध में संलग्न होते हैं।

विभाग के सदस्य

प्रो. खुर्शीद खान, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

प्रो. अमरजीव लोचन, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

प्रो. शमा मित्रा चेनॉय, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

श्री मुकेश कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल

डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

श्री स्कंद प्रिय, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.

डॉ. सोनल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

राजनीति विज्ञान विभाग

एक सक्षम और प्रतिबद्ध संकाय से समृद्ध, राजनीतिक वास्तविकता और अच्छे जीवन से संबंधित अंतिम निर्णय सभी की जिम्मेदारी है। इस पृष्ठभूमि में, एक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान का अध्ययन बेहद फायदेमंद है क्योंकि यह हमारे समकालीन समय में हमारे सामने आने वाली सभी समस्याओं को समझने के साथ–साथ उनके संभावित समाधान की कुंजी भी है। विषय का अध्ययन सिविल सेवा, कानून, पत्रकारिता–प्रिंट के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, उद्यमिता शिक्षण और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सफल करियर के व्यापक अवसर खोलता है। विभाग की 'डेमोक्रेट्स स्टूडेंट्स सोसायटी' छात्रों को नियमित कक्षा शिक्षण के बाहर की गतिविधियों में शामिल करके उन्हें पर्याप्त अनुभव देती है। छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए शैक्षिक पर्यटन का आयोजन और निबंध, वाद–विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं। सोसायटी वंचित छात्रों को समर्थन देने जैसी पहल में भी सक्रिय रूप से संलग्न है। संकाय के सदस्य अकादमिक उत्कृष्टता के लिए अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. एस.एस. राणा, एसोसिएट प्रोफेसर एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. बिष्णु सतपथी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. अलका मुद्गल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. दीपिका, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. हिम्मत सिंह देवड़ा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. रवि, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. अमित, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

श्री मोहन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभाग विषय के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए सशक्त बनाता है क्योंकि हर संगठन एक स्वस्थ और फिट कर्मचारी की तलाश करता है। इसके अलावा, फिटनेश उद्योग बढ़ने के साथ, छात्र रोजगार के कई अवसर भी हासिल करने की आशा कर सकते हैं। विभाग ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य

श्री गौरव गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एड. (व्यायाम शिक्षा)

डॉ. अमिता हांडा, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी., एम.पी.ई.

समाजशास्त्र विभाग

विभाग बी.ए. में डीएससी 2ए के तहत पेपर प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य

डॉ. विक्रांत कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग शिवाजी महाविद्यालय के सबसे प्राचीन विभागों में से एक है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में योग्य शिक्षकों से युक्त है। विभागीय सदस्यों की विशेषज्ञता वेद, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, संस्कृति, धर्म एवं भारतीय पुरालेखशास्त्र में है। यह युवा शिक्षकों से युक्त एक ऊर्जावान विभाग है। यह अपने छात्रों को नए अनुभव और ज्ञान की नई धाराएं प्रदान करता है। सभी प्राध्यापक शैक्षणिक गतिविधियों में अनवरत संलग्न रहते हैं ताकि विभाग को उच्च शिखर तक पहुंचाया जा सके। विभाग के प्राध्यापक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसै वैदिक साहित्य में डॉ. रजनीश, भारतीय दर्शन में डॉ. मेघराज मीणा, व्याकरण में डॉ. सुखराम। विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक अध्यापन कार्य होता है एतदर्थ विश्वविद्यालय के साथ सक्रिय रूप से सम्बद्धता है। संस्कृत एक शास्त्रीय भाषा है इसलिए वह स्वाभाविक रूप से रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करती है। विभाग के छात्र समय–समय पर सक्रियता के साथ विभिन्न अन्तर–महाविद्यालीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता ग्रहण करते हैं। विभागीय छात्रों ने संस्कृत वाद–विवाद, कवितापाठ, प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रगियोगिताओं में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। संस्कृत विभाग 1987 से अन्तर–महाविद्यालीय संस्कृत–प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाला प्रथम महाविद्यालय होने पर गर्व करता है। यह एक बड़ी सफलता थी और इसमें उनके महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। परिणामस्वरूप कालान्तर में इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं अन्य संस्थानों द्वारा भी शुरू की जाने लगी।

संकाय सदस्य

डॉ. रजनीश, सहायक आचार्य, (एम.ए., पीएच.डी.)

डॉ. मेघराज मीणा, सहायक आचार्य, (एम.ए., पीएच.डी.)

डॉ. सुखराम, सहायक आचार्य, (एम.ए., पीएच.डी.)

डॉ. रितु मिश्रा, सहायक आचार्य, (एम.ए., पीएच.डी.)

वाणिज्य कर विभाग

शिवाजी कॉलेज का वाणिज्य विभाग, उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक प्रेरक वातावरण प्रदान करने में दिल्ली विश्वविद्यालय की परंपरा को कायम रखता है। वाणिज्य और अर्थशास्त्र में मजबूत पृष्ठभूमि वाले समर्पित और प्रतिबद्ध संकाय छात्रों को न केवल सैद्धांतिक बल्कि विषय के संज्ञानात्मक और व्यावहारिक अनुप्रयोग को भी समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

विभाग को अच्छी स्थिति वाले और सफल पूर्व छात्रों का गौरव हासिल है। छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम शिक्षा प्रदान करने के अलावा, विभाग वार्ता और सेमिनार और क्षेत्र यात्राएं आयोजित करता है ताकि उन्हें कॉलेज के बाद उनके लिए उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों से अवगत कराया जा सके। हम स्टॉक एक्सचेंजों, चार्टर्ड अकाउंटेंसी संस्थान, कंपनी सचिवों आदि पर शैक्षणिक सत्र आयोजित करते रहे हैं।

विभाग का वार्षिक अंतर–कॉलेज उत्सव ऑप्टिमम छात्रों को औपचारिक पाठ्यक्रम से परे सोचने और उनके संगठनात्मक और प्रबंधकीय कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य

सुश्री सुमन खरबंदा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल

डॉ. रबीनारायण सामन्त्र, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.फिल., पीएच.डी

श्री राजेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम

डॉ. रमेश कुमार मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. राजिंदर सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी

डॉ. किरण चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी

डॉ. वनिता चड्ढा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी कर रही हैं

सुश्री मोनिका शर्मा, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी, एम.कॉम कर रही हैं

डॉ. छवि शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी

सुश्री मनीषा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम

सुश्री मनीषा रानी, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉमइ, पीएच.डी कर रही हैं

श्री रितेश बंसल, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम

सुश्री सुप्रिया कामना, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम., एम.फिल

सुश्री हरमनप्रीत कौर, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम., एम.फिल

श्री मोहम्मद शरीफ,

सुश्री दीप्ति डागर

श्री राजेश कुमार

सुश्री रचना सोनी

सुश्री मानसी

जैव रसायन विभाग

बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए जाने वाले प्रीमियम स्नातक पाठ्यक्रमों में से एक है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य जैविक विज्ञान के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति का एक ज्ञान पूल बनाने के लिए छात्रों को जीवन विज्ञान की शास्त्रीय कला में प्रशिक्षित करना है। एनईपी 2020 के अनुसार एक छात्र के बहुमुखी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल हैं जो जैव रसायन विज्ञान में चयनित विशेषज्ञता में कौशल प्रदान करते हैं, साथ ही पाठ्यक्रम जैव रसायन को परिभाषित करने वाली मुख्य अवधारणाओं के लिए पर्याप्त अनुभव सुनिश्चित करते हैं। पाठ्यक्रम के दौरान, छात्र न केवल उच्च योग्य संकाय सदस्यों से ठोस सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं में व्यापक व्यावहारिक कार्य के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। छात्रों को उद्योगों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में दौरे और प्रशिक्षण, प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा वार्ता, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करके विज्ञान के क्षेत्र में चल रहे शोध कार्यों से भी अवगत कराया जाता है।

प्रतिष्ठित डीबीटी–स्टार कॉलेज योजना के तहत, विभाग मई 2019 से छात्रों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों के साथ–साथ शिक्षण कर्मचारियों के लाभ के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। हमारे विभाग के छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को बढ़ावा गया है। उन्हें अवधारणाओं, लघु परियोजनाओं और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बेहतर समझ के लिए में अतिरिक्त और अंत:विषय प्रयोगों के रूप में अनुसंधान कार्यों में अंतदृष्टि प्राप्त करने और भविष्य में जैविक विज्ञान करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

विभाग की बायोकेमिकल सोसायटी छात्रों और शिक्षकों का एक संयुक्त उद्यम है। यह छात्रों को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम निष्कर्षों, विकास और अवसरों से अवगत रखने के उद्देश्य से प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के अलावा प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा वार्ता आयोजित करता है। इसके अलावा, विभाग एक वैज्ञानिक पत्रिका ''बायोकेमी'' का वार्षिक संस्करण जारी करता है, जिसमें छात्र अपने लेख प्रकाशित करते हैं और वैज्ञानिक लेखन, ग्रंथ सूची और साहित्यिक चोरी की जाँच के कौशल हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग का जर्नल क्लब छात्रों को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित रोमांचक शोध कार्यों को पढ़ने, प्रस्तुत करने और चर्चा करने में सक्षम बनाने में मदद करता है। इससे उनके वैज्ञानिक कौशल में वृद्धि होती है।

हमारे विभाग से स्नातकों को एम.एससी. सहित उच्च अध्ययन के लिए नियमित रूप से चुना जाता है। हमारे पूर्व छात्र अनुसंधान, वैज्ञानिक लेखन, शिक्षण के साथ–साथ भारत और विदेशों दोनों में उद्योग में अपना करियर बनाते हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. जयिता ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. रेनू बावेजा, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी., प्रभारी शिक्षक

डॉ. अभिजीत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. सुनीता सिंह, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

डॉ. उषा यादव, सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, उच्च क्षमता वाले संकाय, सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों और पाठ्येतर गतिविधियों को काफी समृद्ध करने के लिए जाना जाता है। छात्रों को दिए जाने वाले पेपर में प्लांट एनाटॉमी, एम्ब्रियोलॉजी, प्लांट सिस्टमैटिक्स, फाइकोलॉजी, माइकोलॉजी और सेल बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी/प्लांट मेटाबॉलिज्म, जेनेटिक्स/जीनोमिक्स, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, इकोनॉमिक, बॉटनी इकोलॉजी की सामग्री शामिल होगी। कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और अन्य वैकल्पिक पेपर भी जैव सूचना विज्ञान, जैव उर्वरक, औद्योगिक माइक्रोबायोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसी व्यावहारिक और नौकरी उन्मुख शाखाओं से संबंधित पेश किए जाते हैं। यूजीसीएफ–2023 में और भी विकल्प दिए जाने हैं। यूजीसीएफ–2023 के पांचवें वर्ष में अधिक शोध उन्मुख शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण को शामिल किया जाएगा। विभाग नवीनतम उपकरणों के उपयोग के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं का दावा करता है। छात्रों को विषय की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए प्रयोगशालाओं और कक्षा कक्षों में प्रक्षेपण सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। शिक्षण में शामिल इन अत्याधुनिक तरीकों के अलावा, विभाग के पास संग्रहालय और हर्बेरियम नमूनों का एक विशाल संग्रह भी है जो छात्रों को प्रकृति से जुड़ने और विषय की अधिक व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है, साथ ही नवीनतम

पुस्तकालय भी है।

पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों के संस्करण, विभाग के पास वनस्पति तालाब, वनस्पति उद्यान, हर्बल उद्यान और वर्मीकम्पोस्टिंग इकाई और जैव-खाद इकाइयाँ भी हैं। अनुभवात्मक शिक्षा के रूप में क्षेत्र यात्राएं, अध्ययन यात्राएं, वनस्पति यात्राएं, औद्योगिक यात्राएं और संस्थागत यात्राएं, तथा छात्रों को छुट्टियों के दौरान ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। जो छात्रों को तैयार करने में मदद करता है। हमारी सक्रिय बॉटनिकल सोसायटी, फ्रैग्रेंस, संकाय सदस्यों एंव छात्रों की संयुक्त भागीदारी के साथ, छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं द्वारा व्याख्यान, कार्यशालाएं, सेमिनार/वेबिनार और संगोष्ठियों का आयोजन करती है। विभाग को डीबीटी स्टार कॉलेज योजना और दिल्ली विश्वविद्यालय इनोवेशन प्रोजेक्ट्स योजना के तहत अनुदान भी प्राप्त हुआ है। ये न केवल विषय अनुशासन में अनुसंधान के वर्तमान विकास और सीमाओं को समझने में बल्कि संगठनात्मक कौशल विकसित करने में भी सहायक रहे हैं। विभाग ने कई विश्वविद्यालय रैंक धारक भी तैयार किए हैं और हमारे कई छात्रों ने अतीत में भारत के साथ-साथ विदेशों में भी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा में अपना करियर बनाया है। हमारे कुछ पूर्व छात्र वर्तमान में कई सरकारी संगठनों/संस्थानों जैसे भारतीय विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, पादप और आण्विक जीव विज्ञान विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय भारतीय वन सेवाएँ आदि में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. अनुराधा मल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

प्रो. प्रतिमा रानी सरदार, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. विषय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. वी. प्रभावती, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. स्मिता त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. किरण बामेल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. सीमा तलवार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. नूपुर मंडल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. अनुराग मौर्य, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. देवेन्द्र सिंह मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. दीपशिखा चटर्जी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

रसायनिकी विभाग

रसायन विभाग आपको विज्ञान के केंद्र में रखता है, और भारत के कुछ सबसे सफल उद्योगों में रसायन विज्ञान स्नातकों की मांग है। रसायन विज्ञान को अक्सर 'केंद्रीय विज्ञान' के रूप में जाना जाता है क्योंकि आण्विक स्तर पर सामग्रियों की समझ जीवविज्ञान से ठोस राज्य भौतिकी तक अनुसंधान और विकास को रेखांकित करती है।

रसायन विभाग के उत्कृष्ट और समर्पित संकाय और छात्र इसकी मुख्य शक्तियों में से हैं। विभाग छात्रों और शिक्षकों को वैज्ञानिक जांच की भावना को बढ़ावा देने और अत्यधिक उत्साहजनक वातावरण में अत्याधुनिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए एक जीवंत माहौल प्रदान करता है। रसायन विज्ञान विभाग के पास नियमित व्यावहारिक कक्षाओं के साथ-साथ अनुसंधान गतिविधियों के संचालन कंडक्टिविटी मीटर, पीएच मीटर, फ्लेम फोटोमीटर, कलरमीटर, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, डिजिटल बैलेंस आदि उपकरणों से भी सुसज्जित हैं।

एक नया शैक्षणिक ब्लॉक अपनी बढ़ी हुई खपत के कारण अतिरिक्त स्थान की आवश्यकताओं को पूरा करने और अत्याधुनिक अनुसंधान गतिविधियों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए तैयार है। रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व छात्रों ने अपने चुने हुए व्यवसायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

रसायन विज्ञान में डिग्री आपको अत्यधिक रोजगार योग्य बनाती है: यह न केवल आपको वैज्ञानिक और तकनीकी भूमिकाओं के लिए मात्रात्मक और व्यावहारिक कौशल प्रदान करती है, बल्कि यह आपके हस्तांतरणीय कौशल जैसे समस्या समाधान भी विकसित करती है जिसे सभी नियोक्ताओं द्वारा महत्व दिया जाता है। ग्रेजुएशन के बाद छात्र एमएससी जैसे इनोग्रानिक, ऑर्गेनिक, फिजिकल, एनालिटिकल में पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं।

दुनिया भर के उद्योगों में पॉलिमर साइंस, फॉरेंसिक साइंस, मटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी आदि में बीएससी स्नातक की आवश्यकता है।

पश्चिमी एशियाई और कुछ मध्य पूर्वी देश बी.एससी. की मांग में सबसे आगे हैं।

विदेशों में ऐसी कई नौकरियाँ हैं जिनके लिए उम्मीदवारों को बी.एससी. की डिग्री होना आवश्यक है।

कई बी.एससी. स्नातकों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति के माध्यम से विदेशी विश्व विद्यालयों में अध्ययन करने का मौका भी मिलता है।

रस्तानद्रम शिवाजी कॉलेज की केमिकल सोसाइटी है जो अपने वार्षिक उत्सव का आयोजन करती है।

विभाग के सदस्य

डॉ. अनिल कृष्ण अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. प्रशांत कुमार साहू, एसोसिएट, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. रजनी कनौजिया, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

श्री महेंद्र कुमार मीना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी.

डॉ. भास्कर मोहन कांडपाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. नीना खन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. नंद गोपाल गिरि, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. राहुल सिंघल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. वंदना कटोच, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. भाषा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. रंगनाथ रवि, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. ऋचा अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

श्री दीपेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

डॉ. पूजा सलूजा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. शिल्पा जैन, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

श्री नरिंदर कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

डॉ. सुनील यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

डॉ. प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. पल्लवी अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. प्रवीण गाहल्याण, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग प्रेरक शिक्षकों, रचनात्मक छात्रों और समान रूप से निपुण पूर्ण से परिपूर्ण होने का दावा करता है। इसके अलावा विभाग नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं का भी दावा करता है। कक्षाओं के साथ–साथ प्रयोगशालाओं में भी छात्रों को विषय की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए प्रोजेक्टर सुविधाए हैं। हमारे विभाग में अधिकांश संकाय सदस्य कई अनुसंधान गतिविधियों में शामिल रहे हैं और उन्हें विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं और नवाचार परियोजनाओं का श्रेय जाता है। हमारे उत्कृष्ट और संकल्पित संकाय हमेशा छात्रों को वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के साथ–साथ भौतिकी शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के साथ विषय को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। भौतिकी विभाग सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक है जिसने सबसे पहले मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और इस वर्ष इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी का पाठ्यक्रम छात्रों को मूलभूत के वैचारिक का अवसर प्रदान करता है। मजबूत सैद्धांतिक आधार प्रदान करने के अलावा, पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि नामांकित छात्रों को पूरी तरह सुसज्जित प्रयोगशालाएँ प्रदान की जाएँ ताकि वे जटिल भौतिकी प्रयोगों को आसानी से करने के लिए ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें। इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना और स्नातक छात्रों को तैयार करना है जो विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से भौतिकी और इससे संबंधित विषयों में ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने में दृढ़ता से लगे रहेंगे। डिपार्टमेंट सोसाइटी INVENIO छात्रों को उच्च प्रतिष्ठान। के अनुसंधान और विकास संस्थानों में कार्यशालाओं, वार्षिक उत्सव और शैक्षिक यात्राओं का आयोजन करके अकादमिक पाठ्यक्रम से परे जाने और नए क्षितिज तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करती है। सोसाइटी विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात भौतिकविदों द्वारा परिचर्चा भी आयोजित करती है जो युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करती है। विभाग बेहद प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (एनजीपीई) भी आयोजित करता है, जो कि इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) द्वारा अत्यधिक मेधावी भौतिकी छात्रों के लिए आयोजित एक अनूठी परीक्षा है।

विभाग के सदस्य

प्रो. अरुणवीर सिंह, प्रोफेसर, एम.एससी.एम.फिल. पीएच.डी

डॉ. एस.के. यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

सुश्री भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. ममता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. प्रियंका वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. रवीन्द्रसिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल,

पीएच.डी

डॉ. एस.एस. गौड़ सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. नीति गोयल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. निधि त्यागी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

सुश्री प्रीतिका धवन, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

प्राणीशास्त्र विभाग

उत्पत्ति

प्राणीशास्त्र विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी। स्थापना के प्रारंभिक वर्षों के दौरान विभाग अन्य सहायक विषयों के साथ, छात्रों को प्री–मेडिकल पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा था। बाद में 1973 में, कई वरिष्ठ, दूरदर्शी और प्रसिद्ध संकाय सदस्यों के नेतृत्व एक पूर्ण स्वतंत्र विभाग अस्तित्व में आया और इस तरह ऑनर्स पाठ्यक्रमों, जीवन विज्ञान (कार्यक्रम पाठ्यक्रम) और सहायक पत्रों के लिए प्राणीशास्त्र और संबद्ध विषयों को पढ़ाने की पेशकश की गई। जब से विश्वविद्यालय ने सीबीसीएस (चॉइस्–बेस्ड क्रेडिट सिस्टम) अपनाया है। विभाग विभिन्न विभागों के छात्रों को जीई (जेनेरिक इलेक्टिव) पढ़ाने की सुविधा प्रदान कर रहा है। विभाग हमेशा ज्ञान का स्रोत रहा है और छात्रों के बीच वैज्ञानिक अनुसंधान मानसिकता को लगातार प्रज्वलित कर रहा है। संकाय छात्रों के बीच विविध कौशल विकसित करने के साथ–साथ नियमितता, समय की पाबंदी, भागीदारी और टीम भावना जैसे मूल्यों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

पेश किए जाने वाले पत्र

गैर–कार्डेट्स, तुलनात्मक शरीर रचना विज्ञान, विकासवादी जीव विज्ञान, परजीवी विज्ञान और वन्यजीव और पारिस्थितिकी जैसे शास्त्रीय प्राणीशास्त्र पत्रों का शिक्षण फिजियलॉजी, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स, सेल और आण्विक जीव विज्ञान जैसे आधुनिक उन्नत अनुप्रयुक्त पत्रों के साथ समन्वय और एकीकृत रूप में किया जाता है। जीव विज्ञान छात्रों को कौशल प्रदान करने और एक व्यावहारिक और दार्शनिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से प्राणीशास्त्र विभाग उन्हें अनुसंधान पद्धति, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, चिकित्सा निदान, भोजन, पोषण और स्वास्थ्य, एक्वेरियम और मत्स्य पालन आदि जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

उपलब्ध सुविधाएँ

विभाग का सबसे बड़ा वरदान इसका प्राणी संग्रहालय है जो अस्थि विज्ञान अध्ययन के लिए दुर्लभ प्रकार के जानवरों के नमूने, कंकाल और खोपड़ी प्रदर्शित करता है। विभाग को अत्याधुनिक उपकरण सुविधाओं से सुसज्जित अपनी प्रयोगशालाओं पर गर्व है। प्राणीशास्त्र विभाग की प्रयोगशाला विभिन्न आधुनिक उपकरणों जैसे जेल डॉक्यूमेंटेशन यूनिट, हाई–स्पीड कूलिंग सेंट्रीफ्यूज, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, लैमिनर फ्लो, बीओडी इनक्यूबेटर, माइक्रोटोम, डीप फीजर, ऑर्बिटल शेकर, वॉटर डिस्टिलेशन प्लांट आदि के साथ–साथ मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर से सुसज्जित है।

विकास विविधताँ

पिछले कुछ वर्षों में विभाग ने पहुंच से परे और शिक्षण विस्तार कार्यक्रमों जैसी कई विभागीय गतिविधियों के माध्यम से अपने छात्रों के सीखने और ज्ञानोदय के लिए एक विशेष स्थान बनाया है, जहाँ छात्र प्राणी उद्यान, राष्ट्रीय उद्यान, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और संस्थानों का दौरा करते हैं। कॉलेज के आईक्यूएसी और चल रहे डीबीटी स्टार–कॉलेज योजना के अंतर्गत में विभाग समय–समय पर छात्रों, अन्य कॉलेजों और स्कूली शिक्षकों और विश्वविद्यालय के गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए परिचर्चा और कौशल वृद्धि कार्यशालाओं का आयोजन करता है। ऑफ़लाइन पाठ्यक्रम प्रयोशाला और कक्षा सत्रों के अलावा, विभाग अपने छात्रों को स्वयं के इंस्टाग्राम पेज, फेसबुक अकाउंट और यूट्यूब चैनल के ऑनलाइन मोड के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और संबंधित क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सुनहरा अवसर और मंच प्रदान करता है। ''ऑयस्टर'' जूलॉजिकल सोसाइटी हर साल अपने वार्षिक कार्निवल, प्राणीशास्त्रीय महत्व के दिनों (विश्व लाल पांडा दिवस, राइनो दिवस, फार्म पशु दिवस आदि) का जश्न मनाने के लिए विभिन्न

प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। जैसे प्रश्नोत्तरी, शोध–पत्र पढ़ना, पोस्टर बनाना, नारा लेखन और टी–शर्ट और स्टोन पेंटिंग)।

छात्रों के बीच अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए, विभाग प्रथम दो मेधावी छात्रों को उनके अंतिम शैक्षणिक वर्ष में श्रीमती स्वर्ण कांता नैय्यर छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
विभाग से उत्तीर्ण छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों में नियुक्त किया गया है।

विभाग के सदस्य
डॉ. सुनीता गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. दीपिका यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. निमिता कांत, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. मनीषकुमार सचदेवा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. एषणा निगम, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. जीतेन्द्रकुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. अंकिता दुआ, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. नीतूसिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. निधि गर्ग, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. राकेश रोशन, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. त्सेवांग नामगियाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग शिवाजी कॉलेज के सबसे नए विभागों में से एक है। पर्यावरण अध्ययन विभाग शिवाजी कॉलेज के अन्य विभागों में नामांकित सभी छात्रों को पर्यावरण अध्ययन पर। एईसीसी पाठ्यक्रम को समल्लित रूप से पढ़ाता है। पर्यावरण अध्ययन एक अत्यधिक विशिष्ट विषय है और पर्यावरणीय शिक्षा प्रदान करने के लिए ऐसे शिक्षाविदों की आवश्यकता होती है जो इस विषय में प्रशिक्षित हों। पर्यावरण अध्ययन विभाग में ऐसे संकाय शामिल हैं जिनके पास संबंधित क्षेत्रों में विशिष्ट योग्यता और विशिष्ट विशेषज्ञता है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग विभिन्न विषयों के प्रख्यात शिक्षाविदों, विद्वानों और शोधकर्ताओं से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जिन्होंने पर्यावरण अध्ययन के बहु–विषयक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कक्षा, क्षेत्र और परियोजना–आधारित दृष्टिकोण अपनाता है ताकि छात्रों में विषय की समग्र समझ विकसित हो। छात्रों को विभिन्न पर्यावरण संगठनों के साथ इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं जिनकी सुविधा विभाग द्वारा दी जाती है। विभाग विभिन्न पर्यावरण संबंधी कार्यशालाओं, सम्मेलनों और युवा शिखर सम्मेलनों में छात्रों की भागीदारी की सुविधा भी प्रदान करता है।

विश्व विद्ययालय के विभाग के सदस्य

डॉ. विराट जोली, एम.एससी., पीएच.डी

डॉ. अश्वनी शर्मा, एम.एससी., पीएच.डी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में तन्मयता से कार्य कर रहा है। समग्र शिक्षा और छात्रों को सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस वर्ष नई शिक्षा नीति के तहत, विभाग यूजीसीएफ 2023 के तहत कंप्यूटर विज्ञान के साथ अध्ययन का बहुविषयक पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान भी मजबूत नींव रखता है और छात्रों में समस्या निवारण कौशल विकसित करने के लिए एक अनुप्रयोग–उन्मुख दृष्टिकोण अपनाता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार योग्य बनाना और उद्योग की कम्प्यूटेशनल को पूरा करने के लिए तैयार करना है।

विभाग के पास तीन विशाल, सुसज्जित वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें लगभग 110 कंप्यूटर हैं जो नवीनतम संरचना के हैं, जो सर्वर रूम में उच्च अंत सर्वर से जुड़े हुए हैं। सभी सिस्टम उच्च स्तरीय सॉफ्टवेयर तक पहुंच प्रदान करते हैं और वाई–फाई सक्षम हैं जो इंटरनेट प्रदान करते हैं जिसे बढ़ाया जा सकता है। सीखने की प्रक्रिया में सहायता के लिए प्रयोगशालाएँ एलसीडी प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं। छात्रों को निर्बाध कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन यूपीएस प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

वेबस्टर्स छात्रों की कंप्यूटर सोसायटी है, जिसे कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी की दुनिया में रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। सोसाइटी छात्रों को नवीनतम तकनीकों जोड़ने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित करती है। वार्षिक तकनीकी उत्सव टेकलॉन्स बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है।

विभाग के सदस्य

डॉ. राकेश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए

सुश्री प्रीति शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए

सुश्री आभा वासल, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.फिल

श्री कृष्णकांत सिंह गौतम, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम. टेक

सुश्री योगेश कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी

डॉ. रितु मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.टेक., पीएच.डी

गणित विभाग

गणित विभाग में श्रेष्ठ योग्य और समर्पित संकाय शामिल हैं जो गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ है। छात्रों के साथ निरंतर ईमानदार प्रयास करने के अलावा, हर साल सेमिनार, कार्यशालाओं, परियोजनाओं, सम्मेलनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की शैक्षिक, वैज्ञानिक और प्रसार गतिविधियाँ की जाती हैं। संकाय सदस्य लगातार अनुसंधान गतिविधियों/परियोजनाओं में लगे हुए हैं और विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में भाग लेकर विषय में नवीनतम जानकारी हाशिल कर वर्तमान समय के अनुकूल कौशल अर्बन कर रहे हैं। विभाग के पास स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर से सुसज्जित विशाल वातानुकूलित गणित प्रयोगशाला है। लैब में अत्यधिक उन्नत सॉफ्टवेयर वाले लगभग 50 कंप्यूटर है।

पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मैथमैटिका, मैटलैब, लाटेक्स, सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर आर आदि का प्रयोग किया जा रहा है। बीएससी (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक से सोचने की क्षमता विकसित करना और रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को पर्याप्त ज्ञान और कौशल प्रदान करता है जो उन्हें गणित और संबंधित विषयों में आगे की पढ़ाई करने में सक्षम बनाता है। गणित का दायरा बहुत व्यापक है और प्राकृतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान में इसका व्यापक अनुप्रयोग है। पाठ्यक्रम शुद्ध और व्यावहारिक गणित जैसे कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत, क्रिप्टोग्राफी, गणितीय वित्त, बायोमैथमेटिक्स, लाइनर प्रोग्रामिंग आदि। जैसे विषयों की विस्तृत श्रृंखला में एक मजबूत नींव रखता है। गणित, मैटलैब, मैक्सिमा, आर जैसे विभिन्न कंप्यूटर बीजगणित सिस्टम (सीएएस) सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके कंप्यटर लैब में व्यावहारिक सत्र विषयों की गहरी वैचारिक समझ विकसित करने के लिए पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, कंप्यूटर अनुप्रयोग, बैंकिंग और बीमा, उद्यमिता, सांख्यिकीय सेवाओं, व्यवसाय और उद्योग, सरकारी क्षेत्र आदि में तैयारी करने की क्षमता विकसित करने में मदद करेगा।

विभाग के सदस्य

प्रो. शिव कुमार सहदेव, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. बबीता गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. अपर्णा जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल. पीएच.डी
प्रो. मृदुला बुधराजा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ. सुरभि मदान, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी
श्री अशेष क्र. झरवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए
डॉ. कुमारी प्रियंका, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ. शिल्पी वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी, पीएच.डी
डॉ. जीतेन्द्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.टेक
डॉ. वंदना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ. मनीष कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. नीतू रानी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल.पीएच.डी
श्री उत्तम कुमार सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल
डॉ. जीतेंद्र अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
डॉ. दीप्ति, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी
श्री अंकुश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी
श्री नितेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी
सुश्री सोनी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी

छात्र केंद्रित समितियाँ

सामान्य शिकायत निवारण समिति
डॉ. पी. के. साहू (संयोजक)
डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव (सह संयोजक)
सुश्री अंशू चोपड़ा
श्री महेंद्र कुमार मीना
डॉ. अनुराधा मल
श्री हेमन्त लाम्बा, प्रशासन अधिकारी

शुल्क रियायत समिति
प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज (संयोजक)
प्रो. मृदुला भुद्रजा (सह–संयोजक)
प्रो. रुचिरा ढींगरा (सह–संयोजक)
डॉ. सुखराम
श्री के. के. एस. गौतम
डॉ. ऋतुमीना
सुश्री मनीषा
सुश्री ऋतु (संस्कृत विभाग)
श्री अंकुश कुमार

अनुशासन समिति
डॉ. प्रीति तिवारी (संयोजक)
प्रो. खुर्शीद खान
डॉ. रबीनारायण सामन्त्र
डॉ. नीतू सिंह
डॉ. सुनीता गुप्ता
डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव
डॉ. रवि
डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्र
डॉ. नंद गोपाल गिरि
डॉ. रंगनाथ रवि
सुश्री रचना सोनी
सुश्री एकता रमन
डॉ. नूपुर मंडल
डॉ. अशोक कुमार मीना
श्री स्कंद प्रिया

छात्र संघ सलाहकार समिति
कॉलेज के छात्रों के बीच आपसी संपर्क4 लोकतांत्रिक दृष्टिकोण और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज छात्र संघ सलाहकार समिति का गठन किया गया है। समिति छात्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विकास बढ़ावा देने के लिए काम करती है। यह कॉलेज के छात्रों के बीच उनके आसपास होने वाली घटनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है, ताकि उनहें जिम्मेदार नागरिक के रूप में शिक्षित किया जा सके और एक स्वस्थ छात्र आंदोलन का निर्माण किया जा सके। समिति छात्र प्रतिनिधियों से संबंधित मामलों पर चर्चा करने के लिए उनके साथ नियमित बातचीत करती है। समिति का उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में शांति, अनुशासन, कानून एवं व्यवस्था बनाये रखना है।

सदस्य
श्री महेंद्र कुमार मीना (संयोजक)
डॉ. रबीनारायण सामंतारा
डॉ. किरण बामेल
डॉ. जीतेन्द्र अग्रवाल
डॉ. शिवानी गुप्ता
सुश्री भूमिका भावनानी
डॉ. विक्रांत कुमार
डॉ. विराट जोली
श्री दीपेश सिंह
श्री नरेन्द्र कुमार

प्लेसमेंट सेल
शिवाजी कॉलेज में एक बहुत सक्रिय प्लेसमेंट सेल है जो अपने छात्रों को इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए वर्ष भर कार्य करता है। सेल कौशल विकास कार्यशालाओं, सेमिनारों और वार्ताओं का भी आयोजन करता है जो छात्रों को वर्तमान में दौर में रोजगार क्षेत्र में प्रचलित परिदृश्य के बारे में पर्याप्त जानकारी है। छात्र कॉलेज की वेबसाइट पर लिंक के माध्यम से प्लेसमेंट/इंटर्नशिप के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं। यह सेल दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के साथ भी समन्वय करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में आने वाली व्यकितयों द्वारा प्रदान किए गए प्लेसमेंट/इंटर्नशिप के अवसरों तक भी पहुच प्राप्त हो। वर्ष 2017-18 में विभिन्न ऑन–कैंपस और ऑफ–कैंपस ड्राइव में हमारे छात्रों को पीडब्ल्यूसी, अन्र्स्ट एंड यंग, आईबीएम, वीवो ग्लोबल, नौकरी. कॉम, जैनपैक्ट, आरबीएस और कई अन्य जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिली।

प्लेसमेंट सेल छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान इंटर्नशिप करने के लिए प्रोत्साहित करता है क्योंकि इससे उन्हें कार्य का अनुभव मिलता है और वे प्लेसमेंट के लिए तैयार होते हैं। सेल ने कॉलेज में एक इंटर्नशिप मेले का आयोजन किया जिससे छात्रों को पर्याप्त अवसर मिले।

सक्षम इकाई

शिवाजी कॉलेज सक्षम इकाई कॉलेज को सभी दिव्यांग के लिए अनुकूल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करती है। इकाई इन छात्रों की प्रतिभा को सामने लाने और निखारने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कॉलेज में कार्यक्रम और नियमित बैठकें आयोजित करती है उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाएं इस प्रकार है:

- एल सक्षम इकाई के छात्रों के लिए अलग कमरे।
- कंप्यूटर, स्कैनर, प्रिंटर और इंटरनेट की अलग सुविधाएं।
- एल वाई–फाई कनेक्शन वाले लैपटॉप।
- वार्षिक एवं परीक्षा शुल्क भुगतान से छूटा। केवल नाममात्र का शुल्क लिया जाता है।
- कॉलेज के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर ब्रेल पुस्तकें और सीडी उपलब्ध हैं।
- एक आई–पॉड, एक टेप रिकॉर्डर और फोटोकॉपी सुविधा भी प्रदान की गई हैं।
- एल सभी पुरुष और महिला विकलांग छात्रों के लिए विशेष शौचालय।
- कॉलेज भवन में रणनीतिक स्थानों पर रैंप का भी निर्माण किया गया है।
- छात्रों की मदद के लिए कॉलेज द्वारा एक काउंसलर को नियुक्त किया गया हैं।

सदस्य

डॉ. रजनीश (संयोजक)
डॉ. रमेश मलिक
डॉ. विकास शर्मा
डॉ गुंजन
डॉ. राजिंदर सिंह
डॉ. राजकुमारी
डॉ. अरविंदर कौर
श्री स्कंद प्रिय

समान अवसर सेल (प्रवेश के लिए)

१. एससी, एसटी और ओबीसी काउंसलिंग:

डॉ. मिशा यादव (संयोजक)
डॉ. किरण चौधरी
सुश्री ममता
श्री अशेष कुमार झरवाल
श्री मनीष मीना

२. उत्तर पूर्व परामर्श:

सुश्री एस. हांग्जो (संयोजक)
डॉ. एल. गीतारानी देवी
श्री प्रणव बोरा
डॉ. रंगनाथ रवि

३. पीडब्ल्यूडी परामर्श:

डॉ. रमेश मलिक (संयोजक)
डॉ. विकास शर्मा
डॉ. रजनीश
डॉ. गुंजन कुमारी
डॉ. अमित कुमार

संपर्क अधिकारी:

डॉ. मेघराज मीना (एससी/एसटी के तहत)
डॉ. दीप्ति (ओबीसी के तहत)
प्रो. मृदुला भुद्राजा (ईडब्ल्यूएस के तहत)

छात्रवृत्ति और छात्र सहायता

क्र.सं.	छात्रवृत्ति का नाम	नियम और शर्तें
1	डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट	बी.कॉम प्रोग. द्वितीय और तृतीय वर्ष जो उच्चतम प्रतिशत प्राप्त करता है बी.कॉम (प्रो.) प्रथम और द्वितीय वर्ष में 70% से अधिक अंक।
2	सुल्तान चंद द्रोपदी देवी शिक्षा फाउंडेशन (डॉ. कुमारी उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (एच) तृतीय वर्ष। जिसने बी.कॉम (एच) द्वितीय वर्ष में कॉलेज में ७०% से अधिक अंक प्राप्त कर दूसरा सबसे अधिक अंक प्राप्त किया।
3	सुल्तान चंद द्रोपदी देवी शिक्षा नींव (डॉ. कुमारी उषा अग्रवाल)	रुपये की एक छात्रवृत्ति. नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (एच) के छात्र को दूसरे सेमेस्टर के परिणाम के लिए रु. 3500/-
4	श्री सुल्तान चंद द्रोपदी देवी स्मारक छात्रवृत्ति योजना	जिसने बी.कॉम (एच) प्रथम सेमेस्टर यूनिवर्सिटी में कॉलेज के सभी पेपरों में प्रथम उच्चतम % अंक प्राप्त किए। परीक्षा। रुपये की छात्रवृत्ति. 2500/-
5	सुल्तान चंद द्रोपदी देवी शिक्षा फाउंडेशन (डॉ. कुमारी उषा अग्रवाल)	रुपये के लिए एक छात्रवृत्ति. नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (एच) के छात्र को चौथे सेमेस्टर के परिणाम के लिए रु. 3600/-
6	श्रीमती स्वर्ण कांता नैय्यर स्वर्गीय डॉ. एस.के. की पत्नी नैय्यर	प्राणीशास्त्र विभाग में दो पुरस्कार। बीएससी के लिए (एच) अपने डिग्री पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में 2 शीर्ष छात्रों के लिए प्राणीशास्त्र, क्रमश: 2/3 और 1/3 का अनुपात)।
7	श्री सतपाल बंसल मेमोरियल स्कॉलरशिप (डॉ. सोनाली गर्ग)	बी.ए. का सर्वश्रेष्ठ छात्र. (प्रोग.) प्रथम वर्ष.
8	श्रीमती सविता मिश्रा स्मृति पुरस्कार डॉ. कुमारी प्रियंका विभाग द्वारा गठित गणित (शिवाजी कॉलेज) में उसकी माँ की याद	बीएससी (एच) गणित की छात्रा, जिसने स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त किए
9	सुश्री संतोष दुग्गल की स्मृति में उसके माता – पिता	बी.ए. के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के टॉपर छात्र। (एच) राजनीति विज्ञान
10	डॉ. सर्वेश कुमार दुबे नकद पुरस्कार	जिसने सभी पेपरों में प्रथम उच्चतम % अंक प्राप्त किये कॉलेज में एम.ए हिंदी अंतिम वर्ष की परीक्षा।
11	शंकर मजूमदार अपने चाचा की याद में स्वर्गीय डॉ. आर.एम. पाल और उसका बड़ाभाई स्वर्गीय श्री एन.सी. मजमूदार	बी.ए. की एक छात्रवृत्ति (एच) इतिहास अंतिम वर्ष, जो उच्चतम प्राप्त करता हैं स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर तक अंक प्राप्त किए
12	सुनील–भाई रवि छात्रवृत्ति द्वारा प्रोफेसर खुर्शीद खान, इतिहास विभाग	बी.ए. की एक छात्रवृत्ति (एच) इतिहास अंतिम वर्ष, जिसने सुरक्षित किया उसके स्नातक में अधिकतम अंक।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति

दिल्ली विश्वविद्यालय अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के महीने में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है। 250/- प्रति माह, प्रत्येक तीन वर्ष के लिए देय। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों वाला कोई भी ऑनर्स कोर्स का छात्र रुपये की परीक्षा शुल्क के साथ आवेदन कर सकता है। 50/- निर्धारित प्रपत्र में जमा करें जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा से प्राप्त किया जा सकता है।

अध्यादेश XV-बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तिया जो वह उचित समझे प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है। जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकता है।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को अनुशासनहीनता के कार्य माना जाएगा:

    क. किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी

    बी. किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना.

    सी. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधनों का कोई भी उल्लंघन

    डी. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन

    इ. कोई भी प्रथा–चाहे मौखिक हो या अन्यथा–महिलाओं का अपमान करने वाली हो

    एफ. किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार लाने या लाने का प्रयास

    जी. संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश

    एच. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना

    जी. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना:

    जे. अध्यादेश दत–सी के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध।

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपने प्रयोग में ऐसा कर सकता है। उपरोक्त शक्तियाँ आदेश या निर्देश देती हैं कि कोई भी छात्र या छात्राएँ–

    क. निष्कासित किया जाए:

    बी. एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए: या

    सी. किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्थान में किसी कार्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा: या

    डी. निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा: या

    इ. एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा: या संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए हैं उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

5. संबंधित विभागो में संस्थान, हॉल और शिक्षण। वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उनके अधिकार को हटा सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन 636। उपरोक्तानुसार कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएँगें। इन नियमों को, जहाँ आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभाग के प्रमुख द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र के अधीन कर देगा, जिनके पास अनुशासन का पालन करने का अधिकार हो सकता है। अधिनियम, कानून, अध्यादेश और नियम जो विश्व विद्यालय द्वारा बनाए गए हैं।
6. जैसा कि ऊ पर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएँगें। इन नियमों को, जहा आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के आधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का पालन करने का अधिकार निहित हो सकता है। अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों

के तहत जो विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए हैं

7. प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा कि प्रवेश पर वह विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के आधीन हैं। अधिनियमों के अंतर्गत अनुशासन बरतने की शक्ति निहित है। कानून, अध्यादेश और नियम जो विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए हैं।

अध्यादेश XV–सी
रैगिंग के लिए निषेध और सजा

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ–साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यत: ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है: और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं
   - क. इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है।
   - बी. महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   - सी. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना।
   - डी. छात्रों का उपहास और अवमानना के लिए उजागर और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित।
   - इ. इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रमकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।
4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वत: संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।
6. प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
7. यदि किसी कॉलेज के प्रिंसिपल या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रुप में दर्ज किया जाना है, तो ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह वाइस को सलाह दे सकते हैं – कुलाधिपति तदनुसार.
8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जाँच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा। दिल्ली विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन 64
10. कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए कॉलेज में अध्ययन के कार्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा को अनुमति न दि जाए या संबंधित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।
11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है: इस अध्यादेश के तह विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री को वापस लेने पर धारा 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

नोट : अध्यादेश दत–सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश: जहा इस अध्यादेश के तहत किसी भी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है, रैगिंग में छात्र को निष्कासित कर दिया जाएगा। एक निर्दिष्ट शब्द, जो आदेश में निर्दिष्ट है। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर–छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी: उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पाच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और

निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम।

जबकि यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत एक महिला के समानता के मौलिक अधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके जीवन और सम्मान के साथ जीने के अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने के अधिकार का उल्लंघन होता है।

या कोई व्यापार या व्यवसाय जारी रखना जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल हैं:

और जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कन्वेंशनों द्वारा मानव अधिकार के रूप में पहचानी गई है। महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन को एक उपकरण कन्वेंशन है। जिसे भारत की सरकार द्वारा 25 जून 1993 को अनुमोदित किया गया है।

और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है।

विवरण के लिए कृपया वेबसाइट देखें

http://indiacode.nic.in/acts-in-pdf/142013.p

अध्यादेश VIII-ई: आंतरिक मूल्यांकन✲

1. आंतरिक मूल्यांकन की योजना केवल नियमित स्ट्रीम में अपनाई जाएगी, दिल्ली विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन के परिशिष्ट के अनुसार बहिष्करण के साथ और यह शैक्षणिक सत्र 2003-04 से स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों डिग्री में प्रवेशित छात्रों पर लागू है। पाठ्यक्रम, आंतरिक मूल्यांकन की यह योजना स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड पर लागू नहीं होगी।
2. विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं की योजनाओं से संबंधित विशिष्ट अध्यादेश, यथोचित परिवर्तनों के साथ, ऊपर उल्लिखित बहिष्करणों के अधीन, इस अध्यादेश में निर्धारित आंतरिक मूल्यांकन की सीमा तक संशोधित किए जाएँगें।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंक विश्वविद्यालय द्वारा जारी अंक पत्र में अलग से दर्शाए जाएगे और इन अंकों को छात्र के डिवीजन का निर्धारण करने के लिए वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा के अंकों में जोड़ा जाएगा।
4. स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पेपर में अधिकतम अंकों का 25% आंतरिक मूल्यांकन के लिए और शेष 75% अंक वार्षिक/सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए दिए जाएगे: इस 75% घटक के संबंध में वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि और अन्य तौर–तरीके विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा की मौजूदा योजनाओं के अनुसार रहेंगे।
5. वार्षिक परीक्षा योजना के लिए, बी.ए., बी.कॉम में सभी विषयों के लिए प्रत्येक कॉलेज द्वारा आयोजित की जाने वाली हाउस परीक्षाओं को 10% दिया जाएगा। और बी.एस.सी. ऑनर्स पाठ्यक्रमों में मुख्य विषय के पाठ्यक्रम और सभी पेपर–सेमेस्टर परीक्षा योजना के लिए, बी.ए., बी.कॉम में सभी विषयों के लिए, प्रत्येक कॉलेज द्वारा आयोजित किए जाने वाले क्लास टेस्ट/क्विज़ को 10% वेटेज दिया जाएगा। और बी.एस.सी. ऑनर्स पाठ्यक्रमों में मुख्य विषय के पाठ्यक्रम और सभी पेपर।

   प्रत्येक छात्र का मूल्यांकन लिखित असाइनमेंट/ट्यूटोरियल के साथ–साथ प्रोजेक्ट रिपोर्ट/टर्म पेपर/सेमिनार के आधार पर किया जाएगा। ऐसे लिखित असाइनमेंट के लिए 10% वेटेज होगा:

   सीबीसीएस और परियोजना रिपोर्ट/प्रस्तुतीकरण/टर्म पेपर/सेमिनार के संबंध में आगे की अधिसूचना के अधीन। प्रत्येक छात्र को प्रत्येक सत्र/सेमेस्टर में प्रति पेपर कम से कम एक लिखित असाइनमेंट दिया जाएगा।
6. व्याख्यान (इंटरैक्टिव अवधि सहित) और ट्यूटोरियल में भाग लेने में नियमितता के लिए 5% वेटेज होगा, और उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक पेपर में नियमितता का श्रेय इस प्रकार होगा:

   67% से अधिक लेकिन 70% से कम–1 अंक 70% या अधिक लेकिन 75% से कम–2 अंक 75% या अधिक लेकिन 80% से कम–3 अंक 80% या अधिक लेकिन 85% से कम–4 अंक 85% और उससे अधिक– अंक✲
7. नियमितता के लिए दिए जाने वाले अंकों के क्रेडिट की गणना करते समय मेडिकल प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश V11.2.9 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा। ए) (ii).
8. पदोन्नति मानदंड विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए मौजूदा अध्यादेशों के अनुसार होंगे, जो संबंधित पाठ्यक्रमों पर लागू होते हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय परीक्षा के कुल योग और आंतरिक मूल्यांकन पर भी समान मानदंड लागू होंगे।
9. **उत्तीर्ण प्रतिशत और पदोन्नति मानदंड**

   एक सेमेस्टर में किसी भी पेपर को पास करने के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक थ्योरी में 40% और प्रैक्टिकल में 40%, जहा भी लागू हो, होंगे। छात्र को अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में 40% और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन के कुल मिलाकर सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों के पेपर में 40% अंक प्राप्त करने होंगे।
10. एक छात्र पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष तक पदोन्नति

के लिए पात्र होगा, बशर्ते उसने प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण कर लिए हों।

11. इसी प्रकार, एक छात्र (भाग । के परिणामों के बावजूद) पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष में पदोन्नति के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि उसने III और IV सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण कर लिए हों।

12. जो छात्र उपरोक्त पदोन्नति मानदंड (बी) और (सी) को पूरा नहीं करते हैं, उन्हें संबंधित भाग में असफल घोषित किया जाएगा। हालाँकि, उनके पास उन पेपरों में अंक बनाए रखने का विकल्प होगा जिनमें उन्होंने उपरोक्त खंड (ए) के अनुसार उत्तीर्ण अंक हासिल किए हैं।

13. एक छात्र जिसे दोबारा पेपर देना हो सेमेस्टर I/III V के लिए निर्धारित केवल नवंबर/दिसंबर में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में ही ऐसा किया जा सकता है। जिस छात्र को सेमेस्टर II/V/VI के लिए निर्धारित पेपर में दोबारा उपस्थित होना है, वह केवल अप्रैल/मई में होने वाली परीक्षा में ही उपस्थित हो सकता है।

उत्तीर्ण पेपरों में पुन: उपस्थित:

14. एक छात्र किसी सेमेस्टर के लिए निर्धारित किसी भी सैद्धांतिक पेपर में, संबंधित पेपर में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखकर शामिल हो सकता है। यह केवल तत्काल बाद की सेमेस्टर परीक्षा में ही किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, एक छात्र सेमेस्टर। परीक्षा के लिए निर्धारित पेपर में दोबारा उपस्थित हो सकता है। वह आगामी सेमेस्टर III परीक्षा के साथ ऐसा कर सकता है, न कि सेमेस्टर V के पेपर के साथ)।

* कॉलेज उपस्थिति से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन और कार्यान्वयन करता है।

15. एक उम्मीदवार जिसने भाग III (V और VI सेमेस्टर) के पास कर लिए हैं, वह V या VI सेमेस्टर के किसी भी पेपर में केवल एक बार, संबंधित पेपर में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखने के बाद तत्काल बाद की परीक्षा में उपस्थित हो सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर।

(**नोट :** इस श्रेणी के उम्मीदवार को किसी भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी)

16. किसी पेपर में दोबारा परीक्षा देने की स्थिति में, परीक्षा में उम्मीदवार के वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर परिणाम तैयार किया जाएगा।

20. ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जो उपरोक्त प्रावधानों के तहत किसी भी पेपर में अपने पिछले प्रदर्शन को सरेंडर करने पर दोबारा उपस्थित होने का विकल्प चुनता है, लेकिन संबंधित पेपर में फिर से उपस्थित होने में विफल रहता है, तो उम्मीदवार द्वारा पहले प्राप्त अंक जिन पेपरों में वह दोबारा उपस्थित होने में असफल रहा है, उसे वर्तमान में आयोजित परीक्षा के परिणाम का निर्धारण करते समय ध्यान में रखा जाएगा।

21. प्रायोगिक परीक्षाओं में पुन: उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

22. एक छात्र जो पेपर में दोबारा उपस्थित होता है, उसे मूल रूप से दिए गए आंतरिक मूल्यांकन अंक आगे ले जाना होगा।

23. डिवीजन मानदंड: एक छात्र जो सेमेस्टर। से सेमेस्टर VI परीक्षाओं के लिए निर्धारित सभी पेपर पास करता है, वह डिग्री के लिए पात्र होगा। ऐसे छात्र को सेमेस्टर । से सेमेस्टर VI परीक्षाओं के संयुक्त परिणाम के आधार पर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:–

60% या अधिक–प्रथम श्रेणी

50% अधिक लेकिन 60% से कम – द्वितीय श्रेणी

40% अधिक लेकिन 50% से कम – तृतीय श्रेणी

24. किसी छात्र के मामले में जिसे एन.सी.सी. के सदस्य के रूप में चुना गया है। वार्षिक एन.सी.सी. में भाग लेने के लिए शिविर या नागरिक सुरक्षा कार्य संबद्ध कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, या एक छात्र के मामले में जो राष्ट्रीय सेवा योजना में नामांकित है और संबंधित संस्थान के प्रमुख की मंजूरी के साथ या एक छात्र को विभिन्न सार्वजनिक कार्यों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। जिसे इंटर–यूनिवर्सिटी बोर्ड द्वारा आयोजित खेल या अन्य गतिविधियों में या कुलपति द्वारा अनुमोदित खेल और खेल में राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए चुना गया है, या एक छात्र जिसे इंटर–यूनिवर्सिटी यूथ में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता है या एक छात्र जिसे प्रादेशिक सेना में समय–समय पर प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता होती है, या एक छात्र जिसे कॉलेज द्वारा इंटर–कॉलेज खेल, कीचर वाद–विवाद, सेमिनार, संगोष्ठी या सामाजिक कार्य परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या एक जिस छात्र को अन्य विश्वविद्यालयमों में आयोजित वाद–विवाद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों या कुलपति द्वारा अनुमोदित ऐसी अन्य गतिविधियों में संबंधित कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना आवश्यक है, तो निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे:

30. ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को लिखित असाइनमेंट और प्रोजेक्ट/टर्म पेपर/सेमिनार/फील्ड–वर्क की आवश्यकता को लचीलेपन के साथ पूरा करना होगा, हालांकि, यदि आवश्यक हो, तो उसे लिखिंत कार्य प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय की अनुमति दी जा सकती है।

31. उपर दी गई श्रेणियों में एक छात्र, जो ऐसी उपरोक्त गतिविधियों में भाग लेने के कारण हाउस परीक्षा/क्लास टेस्ट/क्विज़ लिखने में असमर्थ है, कॉलेज द्वारा एक

विकल्प के माध्यम से मूल्यांकन किया जा सकता है ऐसा केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है।

32. ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को अध्यादेश VII.2 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार छूटी हुई कक्षाओं के लिए आंतरिक मूल्यांकन के लिए उपस्थिति का लाभ मिलेगा। (9) (ए) (I) (www.du.ac.in. देखें).

33. विश्वविद्यालय के पास किसी भी कॉलेज/विभाग में किसी भी पेपर/प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन में अंकों की समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें बेहतर करने का अधिकार सुरक्षित है। यहाँ दी गई जानकारी हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार है। अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in देखें ।

अध्यादेश VII: परीक्षाओं में प्रवेश के लिए शर्तें*

अध्यादेश VII 2. (2)

34. प्रत्येक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अपने पाठ्यक्रम के लिए अलग से कॉलेज में दिए गए कम से कम दो–तिहाई व्याख्यान और प्रैक्टिकल में भाग लेना होगा।

अध्यादेश VII 2. (9) (ए) (ii)

35. कॉलेज के प्राचार्य प्रस्तुत, किए गए मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर, उन छात्रों के असाधारण मामलों पर विचार कर सकते हैं जो गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे या किसी दुर्घटना का शिकार हो गए थे।

अध्यादेश VII 2. (9) (9)

36. अध्यादेश V112 में विचारित व्याख्यानों के बहिष्कार का लाभ। (9) उपरोक्त (I), या तो अलग से या संयुक्त रूप से, किसी भी स्थिति में दिए गए व्याख्यानों की कुल संख्या के 1/3 से अधिक नहीं होगा। आगे की व्यापकता के लिए अध्यादेश VII से परामर्श लिया जाना चाहिए।

* दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी आगे की अधिसूचना/संशोधन के अधीन यूजीसीएफ 2022023 योजना

प्रभारी शिक्षक (सत्र 2023-2024)

विभाग	शिक्षक का नाम
जैव रसायन	डॉ. सुनीता सिंह
वनस्पति विज्ञान	प्रो. प्रतिमा रानी सरदार
व्यावसायिक अर्थशास्त्र	सुश्री सुमन खरबंदा
रसायन विज्ञान	डॉ. नीना खन्ना
कॉमर्स	श्री राजेश कुमार
कंप्यूटर विज्ञान	श्री राकेश यादव
अर्थशास्त्र	डॉ. शिवानी गुप्ता
अंग्रेजी	डॉ. अंजलि रमन
पर्यावरण अध्ययन	डॉ. वी. प्रभावती
भूगोल	डॉ. राजेन्द्र सिंह
हिंदी	डॉ. विकास शर्मा
इतिहास	प्रो. खुर्शीद खान
गणित	डॉ. बबिता गुप्ता
शारीरिक शिक्षा	श्री गौरव गोयल
भौतिक विज्ञान	प्रो. अरुण वीर सिंह
राजनीति विज्ञान	डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा
संस्कृत	डॉ. मेघराज मीना
जीव विज्ञान	डॉ. सुनीता गुप्ता
बी.ए. कार्यक्रम पाठ्यक्रम एवं सामाजशास्त्र विभाग	सुश्री भूमिका भावनानी
बी.कॉम प्रोग्राम	डॉ. रमेश कुमार मलिक
बी.एससी. कार्यक्रम (जीवन विज्ञान) पाठ्यक्रम	डॉ. दीपिका यादव
बी.एससी. भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रम	डॉ. नंद गोपाल गिरि

प्रशासन

प्राचार्य	प्रो. शिव कुमार सहदेव
बरसर	डॉ. राहुल सिंघल
पुस्तकालय अध्यक्ष	श्री भुपेन्द्र सिंह
ए. ओ. (प्रशासन)	श्री हेमन्त लाम्बा
ए. ओ. (लेखा)	श्री परवीन कुमार
नोडल अधिकारी	डॉ. नीतू रानी

कार्य सहायक

सभी बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम और एम.ए (एच) अंग्रेजी को छोड़कर)	श्री राजीव कपूर जूनियर सहायक
गणित को छोड़कर सभी विज्ञान पाठ्यक्रम	सुश्री गुरप्रीत कौर जूनियर सहायक
वाणिज्य एवं गणित	श्री राजेश कुमार सहायक
बी.ए. प्रोग., बी.ए. (एच) इंजी., बी.ए. (एच) संस्कृत बी.एससी., भौतिक	श्री संतोष मिश्रा जूनियर सहायक

पत्रिका समिति

डॉ. सोनाली गर्ग (संयोजिका)
डॉ. सम्बुद्ध जश
श्री प्रणब बोरा
डॉ. सरिता
डॉ कल्पना शर्मा
डॉ. ऋतु मिश्रा
डॉ. प्रियंका कुमारी

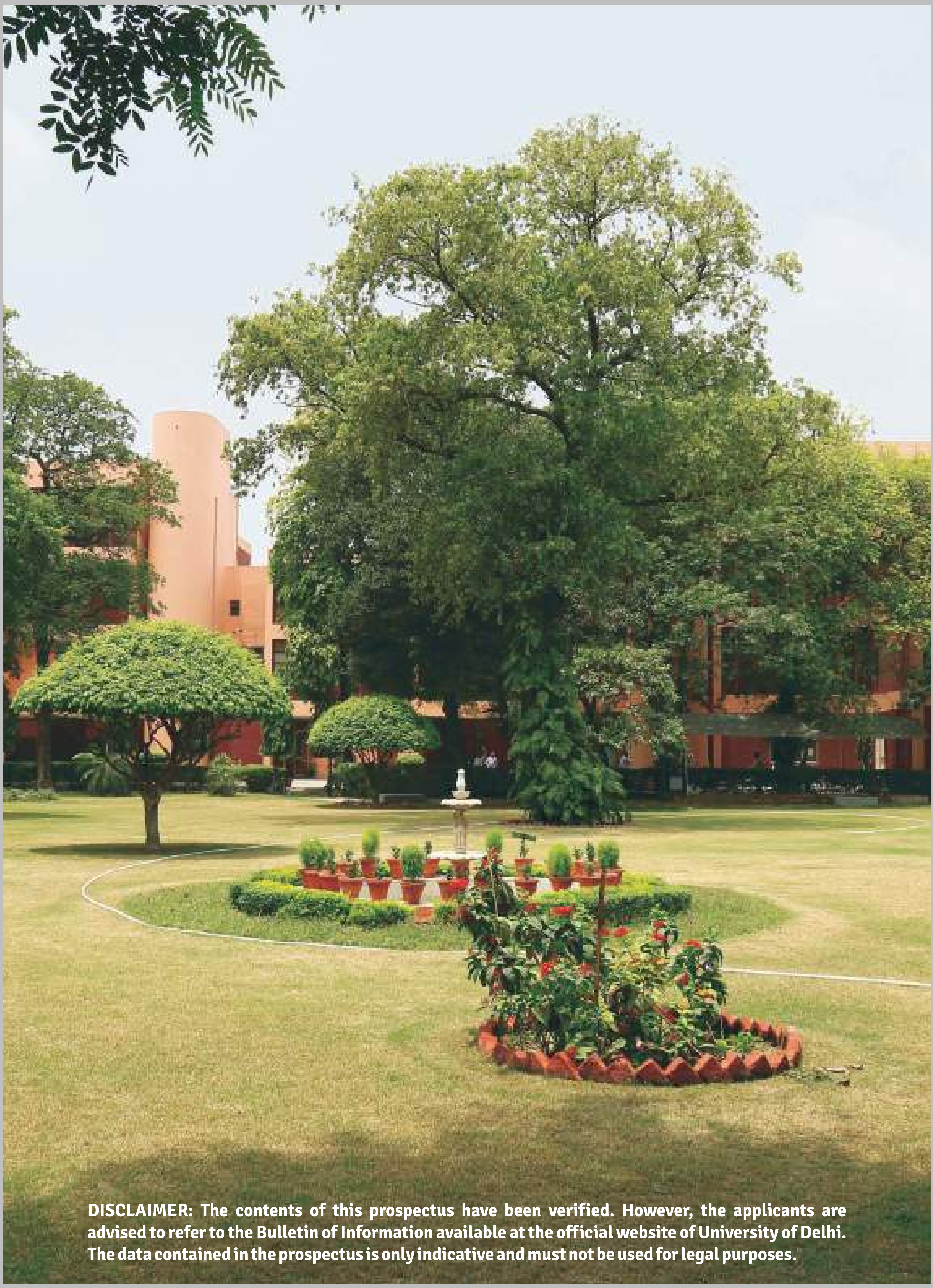

DISCLAIMER: The contents of this prospectus have been verified. However, the applicants are advised to refer to the Bulletin of Information available at the official website of University of Delhi. The data contained in the prospectus is only indicative and must not be used for legal purposes.

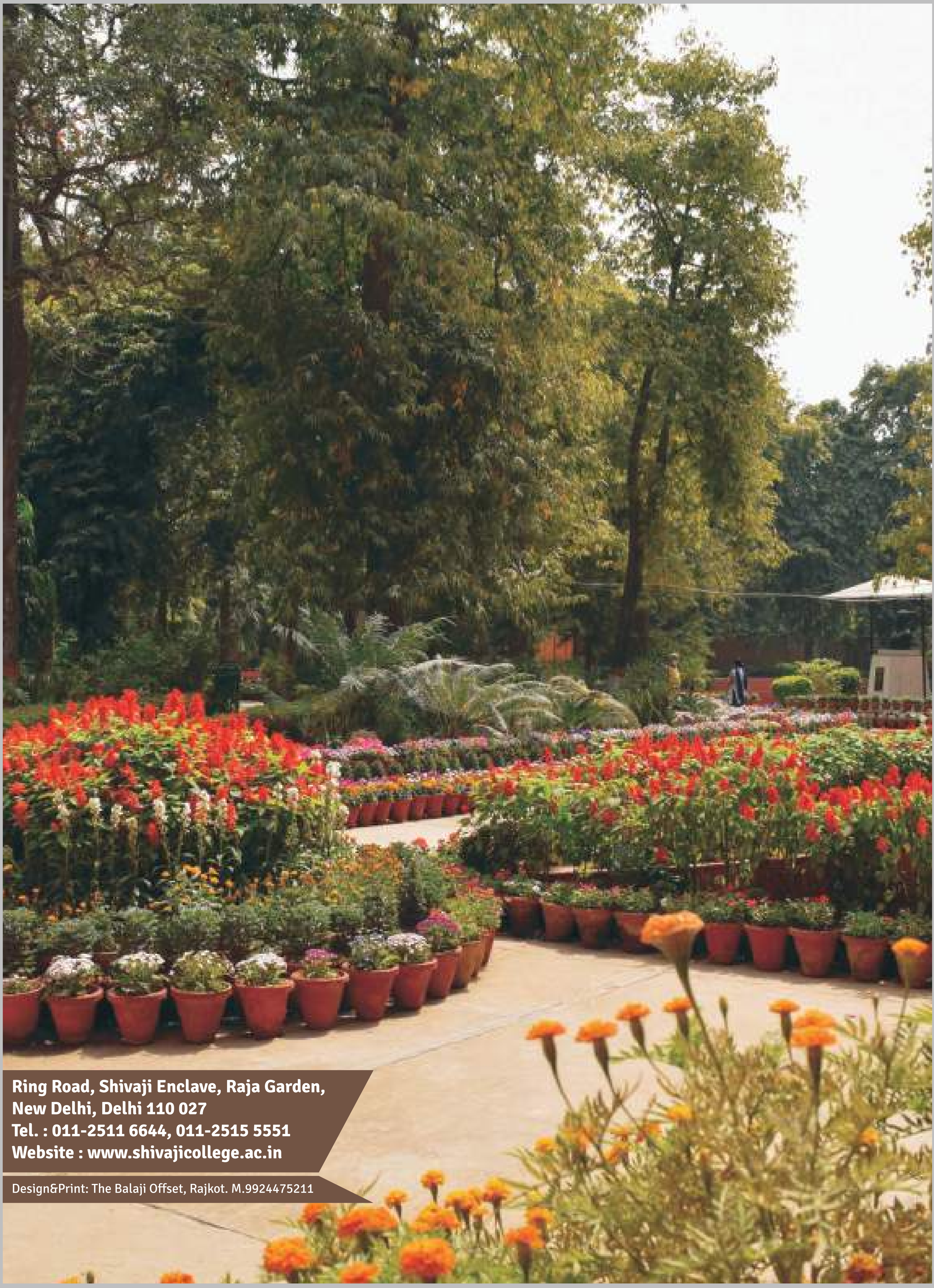

Ring Road, Shivaji Enclave, Raja Garden,
New Delhi, Delhi 110 027
Tel. : 011-2511 6644, 011-2515 5551
Website : www.shivajicollege.ac.in

Design&Print: The Balaji Offset, Rajkot. M.9924475211